Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 175
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-शुक्रवार,24 अक्टूबर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 युवक ने सुसाइड किया,सीढ़ियों की रेलिंग से फांसी लगाई 4 जनता की भागीदारी के बिना स्वदेशी का नारा सिर्फ नारा ही रहेगा 5 फैन्स को आशिष चंचलानी का तोहफा

सीएम योगी का बड़ा फैसला

फायर सर्विस में जल्द बनेगी स्पेशलाइज्ड यूनिट, हर 100 किलोमीटर पर होगी ये खास सुविधा

लखनऊ। सीएम योगी ने कहा, प्रदेश में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिक विस्तार और शहरीकरण की गति को देखते हुए अग्निशमन विभाग की संरचना को अधिक सशक्त, आधुनिक व जनसुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है। फायर सर्विस को केवल आग बुझाने तक सीमित न रखकर इसे

● मुख्यमंत्री के निर्देशों के उपरान्त विभाग में राजपत्रित संवर्ग के 98 व राजपत्रित संवर्ग के लगभग 922 नए पद सृजित होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

आपदा प्रबन्धन, रेस्क्यू ऑपरेशन और आपात सेवाओं के समेकित स्वरूप में विकसित किया जाए। सीएम योगी अपने सरकारी आवास पर अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने विभागीय कैडर रिव्यू की आवश्यकता जताते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक रीजन में स्पेशलाइज्ड यूनिट गठित की जाए, जो केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल दुर्घटनाओं व सुपर हाईराइज बिल्डिंग जैसी परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हो। मुख्यमंत्री ने फायर सर्विस को अत्याधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित जनशक्ति से सुसज्जित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में इस बात पर हुई चर्चा बैठक में विभाग में नए पदों के सृजन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की प्रशासनिक क्षमता और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रत्येक जनपद में अकाउण्ट कैडर स्थापित किया जाए। साथ ही, राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय में अतिरिक्त पद सृजित कर प्रशिक्षण व अनुसंधान की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जाए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के उपरान्त विभाग में राजपत्रित संवर्ग के 98 व राजपत्रित संवर्ग के लगभग 922 नए पद सृजित होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे जनपद, रीजनल और मुख्यालय स्तर पर फायर सर्विस की कार्यक्षमता और जनसेवा क्षमता को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले में फायर एवं आपात सेवाओं की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एक्सप्रेस-वे पर बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक 100 किलोमीटर की दूरी पर फायर टेण्डर सहित एक छोटी फायर चौकी स्थापित की जाए, ताकि दुर्घटना की स्थिति में गोल्डन आवर के भीतर राहत व बचाव कार्य प्रारम्भ किया जा सके। बैठक में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि नई ऑपरेशनल इकाइयों के रूप में कुशीनगर, आजमगढ़, श्रावस्ती, कानपुर नगर, अयोध्या, अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट और सोनभद्र एयरपोर्ट पर अग्निशमन सेवाओं की समुचित जनशक्ति पहले ही तैनात की जा चुकी है।

प्रधानमंत्री मोदी मलेशिया में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से भाग लेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अगले सप्ताह मलेशिया में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से भाग लेंगे। मोदी ने बृहस्पतिवार को फोन पर मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को यह सूचना दी।

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अगले सप्ताह मलेशिया में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से भाग लेंगे। मोदी ने बृहस्पतिवार को फोन पर मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को यह सूचना दी। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मेरे प्रिय मित्र, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। उन्हें मलेशिया की आसियान की अध्यक्षता के लिए बधाई दी और आगामी शिखर सम्मेलनों की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल रूप से शामिल होने और आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक हूं। दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) की बैठकें 26 से 28 अक्टूबर को होनी है। मलेशिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ आसियान समूह के वार्ता साझेदार कई देशों के नेताओं को भी आमंत्रित किया है। ट्रंप 26 अक्टूबर को दो दिवसीय यात्रा पर कुआलालंपुर जाएंगे। आसियान-भारत वार्ता संबंध 1992 में क्षेत्रीय साझेदारी की स्थापना के साथ शुरू हुए। यह दिसंबर 1995 में पूर्ण वार्ता साझेदारी और 2002 में शिखर सम्मेलन स्तरीय साझेदारी में परिवर्तित हो गया। दोनों देशों के बीच संबंध 2012 में रणनीतिक साझेदारी स्तर तक बढ़ गए। आसियान के 10 सदस्य देशों में इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपीन, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमा और कंबोडिया शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत और आसियान के बीच द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसमें व्यापार और निवेश के साथ-साथ सुरक्षा और रक्षा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

तेजस्वी को बिहार चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाए जाने पर राजद की झारखंड इकाई ने बधाई दी

बिहार। कैलाश यादव ने कहा, नयी सरकार नौकरियों, रोजगार, उद्योगों, विश्वविद्यालयों, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों, तकनीकी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के सृजन के लिए काम करेगी। यह पलायन को भी रोकेगी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की झारखंड इकाई ने बृहस्पतिवार को पार्टी नेता तेजस्वी यादव को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाए जाने पर बधाई दी। पार्टी ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी को भी बधाई दी, जिन्हें पूर्वी राज्य में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने की स्थिति में उपमुख्यमंत्रियों में से एक घोषित किया गया है। राजद की झारखंड इकाई के महासचिव एवं प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा, तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी दोनों लोकप्रिय युवा चेहरे हैं तथा बिहार के अधिकतर लोग, 62 प्रतिशत युवाओं के साथ, राज्य में राजग सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए महागठबंधन को वोट देंगे। उन्होंने कहा कि तेजस्वी के नेतृत्व में बिहार में महागठबंधन की दूरदर्शी और प्रगतिशील युवा सरकार बनेगी। कैलाश यादव ने कहा, नयी सरकार नौकरियों, रोजगार, उद्योगों, विश्वविद्यालयों, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों, तकनीकी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के सृजन के लिए काम करेगी। यह पलायन को भी रोकेगी। उन्होंने कहा कि यद्यपि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग सरकार लगभग दो दशकों से बिहार में सत्ता में है और नरेन्द्र मोदी सरकार 11 वर्षों से केंद्र में है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने केरल राजभवन में के. आर. नारायणन की प्रतिमा का किया अनावरण

उनका जीवन प्रेरणा का प्रतीक: राष्ट्रपति

तिरुवनंतपुरम। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को केरल राजभवन परिसर में पूर्व राष्ट्रपति के. आर. नारायणन की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले पहले राष्ट्रपति के सम्मान में स्थापित की गई इस प्रतिमा के अनावरण के मौके पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन भी मौजूद थे। समारोह के बाद अपने संक्षिप्त भाषण में राष्ट्रपति ने कहा कि नारायणन का जीवन साहस, दृढ़ता और आत्मविश्वास की कहानी है। मुर्मू ने कहा, अत्यंत समर्पण और शिक्षा की शक्ति के बल पर, वह हमारे देश के शीर्ष संवैधानिक पद पर आसीन हुए। उनकी

शैक्षणिक उत्कृष्टता इस बात का प्रतीक थी कि जब उद्देश्यपूर्ण मार्गदर्शन हो तो दृढ़ संकल्प और अवसर क्या हासिल कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि राजनीति में आने से पहले, नारायणन ने भारतीय विदेश सेवा में एक प्रतिष्ठित करियर बनाया। उन्होंने भारत के शांति, न्याय और सहयोग के मूल्यों को पूरी ईमानदारी से कायम रखा। उन्होंने कहा कि नारायणन हमेशा निष्पक्षता और समावेशिता के सिद्धांतों के प्रति अडिग रहे। मुर्मू ने कहा, नारायणन भारत के उपराष्ट्रपति भी थे। उनकी यात्रा उस समय चरम पर पहुंची जब वह भारत के राष्ट्रपति बने। वह राष्ट्रपति भवन में न केवल एक राजनेता के रूप में अपना अनुभव लेकर आए, बल्कि अपने व्यक्तित्व की बुद्धिमत्ता और विनम्रता भी लेकर आए। राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि नारायणन अपने गृह राज्य केरल से गहराई से जुड़े थे। उन्होंने कहा, उन्होंने उसकी सामाजिक प्रगति, शिक्षा और समावेशिता पर दिए जाने वाले महत्व से प्रेरणा ली। देश के शीर्ष पद पर पहुंचने के बाद भी वह अपनी जड़ों से जुड़े रहे। मुर्मू ने कहा, अपने पूरे जीवन में नारायणन ने मानव और राष्ट्रीय विकास में शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने कहा, उनके लिए शिक्षा कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि सभी का अधिकार थी। नारायणन का मानना ??था कि मानवीय मूल्य सभ्यता के विकास के लिए आवश्यक हैं और समाज के विकास के लिए मौलिक हैं। उन्होंने कहा कि नारायणन नैतिकता, सत्यनिष्ठा, करुणा और लोकतांत्रिक भावना की समृद्ध विरासत छोड़ गए हैं। उन्होंने कहा, आज जब हम उन्हें याद कर रहे हैं, तो हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए, जो राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित था, ताकि एक अधिक समावेशी, न्यायपूर्ण और करुणामय भारत का निर्माण हो सके।

संछिप्त खबरे

दिल्ली में रही धुंध भरी सुबह

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, न्यूनतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 3.7 डिग्री कम है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता बृहस्पतिवार सुबह बहुत खराब श्रेणी में बनी रही, जबकि आनंद विहार इलाके में यह गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। दिवाली के बाद दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब हो गई है तथा धीमी गति से चलने वाली हवा ने स्थिति को और बदतर बना दिया है। समीर ऐप के अनुसार, आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 428 दर्ज किया गया, जो सभी निगरानी स्टेशनों में सबसे अधिक है।

भाई दूज पर पीएम मोदी ने देशवासियों को दी बधाई

नईदिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाई दूज के पावन अवसर पर गुरुवार को देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किये गये एक संदेश में कहा, भाई दूज के इस पावन अवसर पर मैं सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। भाई-बहनों के बीच प्रेम और विश्वास का प्रतीक यह त्योहार आपके जीवन को सुख, समृद्धि और सौभाग्य से भर दे। भाई-बहनों के बीच का यह अनमोल बंधन और भी मजबूत हो। भाई दूज, हिंदू माह कार्तिक के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को मनाया जाता है जो दिवाली उत्सव के समापन का प्रतीक है। पूरे भारत में यह त्योहार श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है और बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी कुशलता और दीर्घायु की कामना करती हैं।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे बोर्ड वॉर रूम में त्योहारी सीजन में यात्रियों की आवाजाही की समीक्षा की; राष्ट्रव्यापी रीयल-टाइम समन्वय और प्रमुख स्टेशनों पर मिनी कंट्रोल रूम की स्थापना पर प्रकाश डाला

गोरखपुर: केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली स्थित रेलवे बोर्ड के वॉर रूम का दौरा किया और त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की आवाजाही की समीक्षा की। श्री वैष्णव ने कहा कि मंडल, जोन और रेलवे बोर्ड स्तर पर वॉर रूम स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बोर्ड को सभी स्थानों से लाइव फीड प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि प्रमुख स्टेशनों पर मिनी कंट्रोल रूम भी स्थापित किए गए हैं। यह निगरानी प्रणाली देश भर में प्रत्येक स्टेशन की स्थिति, अतिरिक्त ट्रेनों की आवश्यकता और अन्य परिचालन आवश्यकताओं के संबंध में वास्तविक समय में समन्वय स्थापित करने में सक्षम बनाती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि होल्डिंग और प्रतीक्षालय बनाए जाने से स्टेशनों पर यात्रियों का व्यवस्थित प्रवेश सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने बताया कि त्योहारों के दौरान होने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगभग 10,700 आरक्षित और 3,000 अनारक्षित ट्रेनें चलाई गई हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर विशेष ट्रेनों की सटीक संख्या निर्धारित की जाती है, जिसे प्रत्येक गंतव्य के लिए मांग का आकलन करने हेतु एक मॉडल में शामिल किया जाता है। श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यात्रियों की संख्या में पहली बार वृद्धि 17 से 20 अक्टूबर के बीच देखी गई, जिसमें 18 और 19 अक्टूबर को सबसे अधिक भीड़ रही, जबकि 22 से 24 अक्टूबर के बीच यात्रियों की संख्या में दूसरी बार वृद्धि होने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि नई दिल्ली स्टेशन पर एक स्थायी होल्डिंग क्षेत्र अब यात्रियों को काफी सुविधा प्रदान करता है, जिसकी क्षमता 7,000 से अधिक लोगों के लिए है, इसमें पुरुषों के लिए 150 और महिलाओं के लिए 150 शौचालय, स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें, टिकट काउंटर और मुफ्त आरओ पानी की सुविधा उपलब्ध है। रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन का दौरा किया और त्यौहारी सीजन के दौरान भारतीय रेलवे द्वारा की गई विशेष व्यवस्था का निरीक्षण किया। भारतीय रेलवे ने उन्नत सेवाओं और सुविधाओं के साथ यात्री अनुभव को बेहतर बनाया 22 से 24 अक्टूबर के बीच यात्रियों की अधिकतम संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए, रेलवे ने छठ पूजा से पहले सभी यात्रियों के लिए सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। नियमित रेल सेवाओं के अलावा, छठ पर्व पर आने वाली भीड़ को देखते हुए अगले चार दिनों में 1,205 विशेष रेलगाड़ियाँ चलेंगी। 21.10.2025 को, दिल्ली क्षेत्र के 6 प्रमुख स्टेशनों - नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, शकूरबस्ती और गाजियाबाद से 1,69,986 अनारक्षित बाहरी यात्री सवार हुए, जो पिछले वर्ष की इसी तिथि (दिवाली के अगले दिन 01.11.2024) की तुलना में 5.62% की वृद्धि है। इसी प्रकार, 22.10.2025 को, दिल्ली क्षेत्र के 6 प्रमुख स्टेशनों - नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, शकूरबस्ती और गाजियाबाद से 1,71,753 अनारक्षित बाहरी यात्री सवार हुए। पिछले वर्ष की इसी तिथि (दिवाली के दूसरे दिन 02.11.2024) की तुलना में 7.01% की वृद्धि। आज, दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों से 6 गुजरने वाली विशेष ट्रेनों के अलावा 30 विशेष ट्रेनें चलने वाली थीं। 24 अक्टूबर को, दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों से 17 विशेष ट्रेनें चलने वाली हैं। भारतीय रेलवे सावधानीपूर्वक योजना, बेहतर यात्री सेवाओं और सुविधा व देखभाल पर विशेष ध्यान देकर एक सहज यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्रा में वृद्धि को संभालने के लिए, विशेष ट्रेनों की एक मजबूत समय-सारिणी लागू की गई है। 1 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2025 के बीच पूरे भारत में संचालित की जा रही 12,000 से अधिक विशेष ट्रेनों में से 2,220 ट्रेनें त्योहारी यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए बिहार के लिए चलेंगी। बिहार जाने वाले यात्रियों ने रेलवे द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया है और विशेष ट्रेनों, स्वच्छता और सहज यात्रा अनुभव की प्रशंसा की है। शांभवी भारद्वाज ने नई दिल्ली से सोनपुर की यात्रा की और रेलवे स्टेशन तथा ट्रेन में उपलब्ध स्वच्छता और सुविधाओं की सराहना की। विक्रमशिला एक्सप्रेस के माध्यम से आनंद विहार-भागलपुर जाने वाले यात्रियों ने भारतीय रेलवे द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं और व्यवस्थाओं की सराहना की। त्योहार विशेष ट्रेनों के यात्रियों ने भी भारतीय रेलवे की उन्नत सुविधाओं की सराहना की। सोनपुर मंडल के हाजीपुर स्टेशन पर स्वच्छता व्यवस्था ने न केवल भारतीय यात्रियों को, बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी प्रभावित किया है। कई यात्रियों ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन स्थित यात्री सुविधा केंद्र की सुविधाओं की प्रशंसा की। उन्होंने स्वच्छता और समग्र व्यवस्था की भी सराहना की। त्योहारों की भीड़ के बीच रेलवे द्वारा की गई करुणामयी सहायता त्योहारों की भीड़ के बावजूद, समर्पित रेल कर्मचारियों ने छठ पूजा के दौरान बुजुर्गों, दिव्यांगों और जरूरतमंद लोगों की सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष देखभाल प्रदान की। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रसव पीड़ा से पीड़ित एक यात्री को तुरंत सहायता और प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। महिला कर्मचारी उसे आगे की देखभाल के लिए अस्पताल ले गईं। भारतीय रेल हर जरूरतमंद यात्री को समय पर चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। अपने विशाल नेटवर्क, प्रतिबद्ध कार्यबल और यात्री-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, भारतीय रेल हर यात्री को कुशलता और देखभाल के साथ सेवा प्रदान करने के अपने वादे पर अडिग है। अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन से लेकर स्वच्छता, सुरक्षा और समय की पाबंदी बनाए रखने तक, त्योहारों की भीड़ के दौरान सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाता है। रेलवे कर्मचारियों के सक्रिय उपाय और समर्पण, देश भर के यात्रियों के लिए त्योहारों के मौसम की यात्राओं को सुरक्षित, विश्वसनीय और सुव्यवस्थित बनाने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

लंदन की शिक्षाविद् को वापस भेजना स्वतंत्र सोच के प्रति मोदी सरकार की शत्रुता का उदाहरण: कांग्रेस

नईदिल्ली । कांग्रेस ने लंदन में कार्यरत शिक्षाविद् फ्रांसेस्का ओरसिनी को वीजा शर्तों के कथित उल्लंघन के कारण दिल्ली हवाई अड्डे से वापस भेजे जाने के कुछ दिनों बाद बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि उन्हें देश में प्रवेश से रोकना कोई आव्रजन संबंधी औपचारिकता नहीं है, बल्कि स्वतंत्र और गंभीर सोच रखने वालों के प्रति मोदी सरकार की शत्रुता की मिसाल है। गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि हिंदी की विद्वान और स्कूल ऑफ ओरियंटल एंड अफ्रीकन स्टडीजश (एसओएएस) में एमेरिट प्रोफेसर फ्रांसेस्का ओरसिनी को बीते सोमवार को हांगकांग से यहां पहुंचते ही निर्वासित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि वीजा शर्तों के उल्लंघन के कारण ओरसिनी मार्च 2025 से काली सूची में हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि दक्षिण एशियाई साहित्य की इस विद्वान को पांच साल का वैध वीजा होने के बावजूद भारत में प्रवेश से वंचित कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, ओरसिनी को देश में आने से रोकने का फैसला आव्रजन औपचारिकता का मामला नहीं है, बल्कि स्वतंत्र, गंभीर सोच वाले विद्वानों के प्रति मोदी सरकार की शत्रुता का प्रतीक है।

उत्तर रेलवे प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर छठ पर्व मनाने के लिए अपने घर जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए किए विशेष प्रबंध

नई दिल्ली : उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों, विशेषकर देश के पूर्वी भागों में छठ पर्व मनाने के लिए जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्था की है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, नई दिल्ली और आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशनों पर अस्थायी होल्डिंग एरिया (टेंटेज) स्थापित किए गए हैं। इन होल्डिंग एरिया में यूटीएस टिकट काउंटर, शौचालय, एटीवीएम, खानपान स्टॉल, क्या मैं आपकी मदद कर सकता/सकती हूँ बूथ, पीए सिस्टम आदि की व्यवस्था है। पर्याप्त रेलवे कर्मचारी यात्रियों का मार्गदर्शन और सहायता कर रहे हैं। सुरक्षित और स्वस्थ यात्रा के आदर्श वाक्य के साथ, दिल्ली मंडल के चिकित्सा विभाग ने त्योहारों की भीड़ के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्राथमिक चिकित्सा बूथ स्थापित किए गए हैं - नई दिल्ली (यात्री सुविधा केंद्र सहित चार बूथ), पुरानी दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, शकूरबस्ती और गाजियाबाद - इनमें से प्रत्येक स्टेशन पर चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करने के लिए एम्बुलेंस और प्रशिक्षित चिकित्सा दल मौजूद हैं। इन सुविधाओं ने प्राथमिक उपचार से लेकर आपातकालीन स्थिति (18.10.2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शिशु के सुरक्षित प्रसव सहित) तक समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान की है, जिससे 16 अक्टूबर 2025 और 21 अक्टूबर 2025 के बीच 634 से अधिक रेल यात्रियों को लाभ हुआ है। दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर नागरिक सुरक्षा कर्मी और उत्तर रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के कर्मी सहित अधिकारियों की तैनाती की गयी है । और वे यात्रियों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, महिलाओं आदि का निरंतर मार्गदर्शन और सहायता कर रहे हैं। दिनांक 21.10.2025 को, दिल्ली क्षेत्र के 6 प्रमुख स्टेशनों - नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, शकूरबस्ती और गाजियाबाद से 1,69,986 अनारक्षित यात्रियों ने इन स्टेशनों से अपनी यात्रा प्रारम्भ की है, जो पिछले वर्ष की इसी तिथि (दिवाली के अगले दिन 01.11.2024) की तुलना में 5.62% की वृद्धि है। इसी प्रकार, 22 अक्टूबर 2025 को दिल्ली क्षेत्र के 6 प्रमुख स्टेशनों से 1,71,753 अनारक्षित यात्रियों ने इन स्टेशनों से अपनी यात्रा प्रारम्भ की है, जो पिछले वर्ष की इसी तिथि (दिवाली के दूसरे दिन 02 नवंबर 2024) की तुलना में 7.01% की वृद्धि है। आज, 6 गुजरने वाली विशेष ट्रेनों के अलावा, 30 विशेष ट्रेनें (नई दिल्ली से 9, दिल्ली जंक्शन से 3, आनंद विहार टर्मिनल से 8, हजरत निजामुद्दीन से 3, शकूरबस्ती से 5, रोहतक से 1 और शामली से 1) दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों से चलाई गयी । कल, 24 अक्टूबर को, दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों से 17 विशेष ट्रेनें संचालित होंगी।

स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर तथा लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाल कर यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया

गोरखपुरः भारतीय रेल पर 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 23 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर तथा लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाल कर यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। इस दौरान प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों, कार्यालयों, ट्रेनों तथा ट्रैक के दोनों किनारों की सफाई की गई। 23 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों, संविदा कर्मचारियों और रेलवे कर्मचारियों ने स्वच्छता के साथ जन जागरूकता रैली निकाली तथा स्टेशनों, कॉलोनियों, अस्पतालों, डिपो, पटरियों और अन्य क्षेत्रों की सफाई की गई। वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर रखे कूड़ेदानों की सफाई एवं धुलाई की गई तथा स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों ने संविदा कर्मचारियों एवं रेलवे कर्मचारियों के साथ मिलकर स्वच्छता सम्बंधी नारे, पोस्टर एवं बैनरों के माध्यम से जन जागरूकता रैली निकाली, साथ ही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों एवं कार्यालयों की सफाई गई तथा कूड़ेदानों की सफाई कर निर्धारित स्थानों पर रखा गया। इस दौरान सार्वजनिक उपयोगिता वाले क्षेत्र में रखे गये कूड़ेदानों को खाली कर धुलाई की गई और क्षतिग्रस्त कूड़ेदानों को हटाकर उसके स्थान पर नये कूड़ेदान रखे गये। स्टेशन परिसर और ट्रैक के दोनों किनारों पर खुली और ढ़की हुई नालियों की सफाई कर चूना एवं कीटनाशक पाउडर का छिड़काव किया गया।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है।

गोरखपुरः रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, मानवीय सहायता के अन्तर्गत 22 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा को निगरानी के दौरान स्टेशन के एफओबी पर उतरते समय फिसल कर गिरने से घायल एक यात्री मिला, जिसे रेलवे डाक्टर से प्राथमिक उपचार कराने के बाद रेफर कराकर जिला चिकित्सालय, छपरा में भर्ती कराया गया तथा उक्त की सूचना यात्री के परिजनों को दिया गया। 21 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 पर मानसिक रूप से विक्षिप्त एक युवक मिला, जिसे बलिया पोस्ट पर लाया गया। युवक के परिजन के पोस्ट पर उपस्थित होने पर परिजन को सुपुर्द किया गया। 22 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वाराणसी सिटी को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15104 में महिला यात्री का गिरा बैग मिला, जिसे वाराणसी सिटी पोस्ट पर जमा किया गया। महिला यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 22 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल चौकी हल्द्वानी को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 14120 में महिला यात्री का छूटा पर्स मिला, जिसे हल्द्वानी चौकी पर जमा किया गया। महिला यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त पर्स सुपुर्द किया गया। 21 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गाजीपुर सिटी को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 22434 में यात्री का छूटा 02 बैग मिला, जिसे गाजीपुर सिटी पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त दोनों बैग सुपुर्द किया गया। 21 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 13105 में यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे बलिया पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के परिचित के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 18 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15622 में एक यात्री का बैग भूलवश दूसरे यात्री को मिलने पर सीवान पोस्ट पर जमा किया गया। 21 अक्टूबर, 2025 को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया।

रेलवे प्रशासन द्वारा छठ पर्व पर रेल यात्रियों की सुविधा हेतु पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा छठ पर्व पर रेल यात्रियों की सुविधा हेतु पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। 24 अक्टूबर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत है। 24 अक्टूबर, 2025 को 05062 टनकपुर-अछनेरा पूजा विशेष गाड़ी टनकपुर से 04.35 बजे प्रस्थान कर पीलीभीत, इज्जतनगर, कासगंज, मथुरा जं. होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 01454 गाजीपुर सिटी-हडपसर (पुणे) पूजा विशेष गाड़ी गाजीपुर सिटी से 05.00 बजे प्रस्थान कर औंड़िहार, जौनपुर, वाराणसी जं. होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 05131 गोरखपुर-बहराइच पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 05.25बजे प्रस्थान कर आनन्दनगर, बढ़नी, गोंडा होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 01052 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी बनारस से 06.35 बजे प्रस्थान कर वाराणसी जं., सूबेदारगंज, गोविन्दपुरी, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 05049 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी छपरा से 10.15बजे प्रस्थान कर थावे, गोरखपुर, गोंडा, सीतापुर होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 06530 गोमती नगर-सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु पूजा विशेष गाड़ी गोमती नगर से 12.20बजे प्रस्थान कर गोरखपुर, भटनी, मऊ, बनारस होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 09430 गोरखपुर-साबरमती पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 13.00 बजे प्रस्थान कर गोंडा, बाराबंकी, कानपुर सेंट्रल होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 14.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 09084 बनारस-मुम्बई सेन्ट्रल पूजा विशेष गाड़ी बनारस से 14.30बजे प्रस्थान कर रायबरेली, लखनऊ, फरुर्खाबाद होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 05132 बहराइच-गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी बहराइच से 14.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, बढ़नी, आनन्दनगर होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 04118 लालकुआँ-प्रयागराज जं. पूजा विशेष गाड़ी लालकुआँ से 14.50बजे प्रस्थान कर इज्जतनगर, कासगंज, कन्नौज होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 05056 बढ़नी-आसनसोल पूजा विशेष गाड़ी बढ़नी से 16.00बजे प्रस्थान कर गोरखपुर, थावे, खैरा होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 05634 गोरखपुर-नारंगी पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 16.55 बजे प्रस्थान कर सीवान, छपरा होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 01416 गोरखपुर-पुणे पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 17.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 05115 छपरा-उधना पूजा विशेष गाड़ी छपरा से 17.45बजे प्रस्थान कर बलिया, औंड़िहार, जौनपुर होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 03216 थावे-पटना पूजा विशेष गाड़ी थावे से 18.25 बजे प्रस्थान कर मसरख, खैरा होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 04730 गोरखपुर-श्री गंगानगर जं. पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 19.30बजे प्रस्थान कर बढ़नी, गोंडा, सीतापुर होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 01046 गाजीपुर सिटी-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) पूजा विशेष गाड़ी गाजीपुर सिटी से 20.30बजे प्रस्थान कर औंड़िहार, जौनपुर, वाराणसी जं. होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 07652 छपरा-जालना पूजा विशेष गाड़ी छपरा से 22.15बजे प्रस्थान कर बलिया, औंड़िहार, बनारस, ज्ञानपुर रोड होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 04830 गोरखपुर-जोधपुर पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 23.25बजे प्रस्थान कर बस्ती, अयोध्या धाम जं., लखनऊ होते हुये चलाई जायेगी। 24 अक्टूबर, 2025 को 09042 बलिया-उधना पूजा विशेष गाड़ी बलिया से 23.30बजे प्रस्थान कर औंड़िहार, जौनपुर, वाराणसी जं., प्रयागराज जं., गोविन्दपुरी होते हुये चलाई जायेगी।

रेलवे प्रशासन द्वारा छठ त्यौहार पर यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है

गोरखपुर : रेलवे प्रशासन द्वारा छठ त्यौहार पर यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में 10 नवम्बर, 2025 तक के लिये 23 अक्टूबर, 2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है। छपरा से चलने वाली 05049 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 374 बर्थ, 07 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 431 बर्थ तथा 14 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 747 बर्थ उपलब्ध है। लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी में 06 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 35 बर्थ एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 154 बर्थ उपलब्ध है। छपरा से चलने वाली 04607 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 27 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 379 बर्थ तथा 10 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 436 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 371 बर्थ, 31 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 719 बर्थ तथा 07 नवम्बर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 735 बर्थ उपलब्ध है। मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट पूजा विशेष गाड़ी में 06 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 85 बर्थ, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 304 बर्थ, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 86 बर्थ उपलब्ध है। बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 29 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 99 बर्थ तथा 05 नवम्बर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 202 बर्थ उपलब्ध है। बनारस से चलने वाली 05047 बनारस-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी में 28 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 302 बर्थ तथा 04 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 1101 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 03528 गोरखपुर-आसनसोल पूजा विशेष गाड़ी में 25 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 74, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 330 एवं शयनयान श्रेणी में 377 बर्थ तथा 01 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 64, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 273 बर्थ, शयनयान श्रेणी में 93 बर्थ तथा 08 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 75, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 347 एवं शयनयान श्रेणी में 374 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 08630 गोरखपुर-रांची पूजा विशेष गाड़ी में 26 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 40 एवं शयनयान श्रेणी में 469 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 03678 गोरखपुर-धनबाद पूजा विशेष गाड़ी में 27 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 73, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 88, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 399, शयनयान श्रेणी में 146 बर्थ, 03 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 62, शयनयान श्रेणी में 247 बर्थ तथा 10 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 78, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 96, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 403, शयनयान श्रेणी में 324 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 04021 गोरखपुर-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी में 08 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 18, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 72, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 348, शयनयान श्रेणी में 280 बर्थ उपलब्ध है। सीतामढ़ी से चलने वाली 04015 सीतामढ़ी-आनन्द विहार टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 13, शयनयान श्रेणी में 444 बर्थ, 25 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 348 बर्थ, 26 अक्टूबर,2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 18, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 04, शयनयान श्रेणी में 578 बर्थ, 27 अक्टूबर,2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 22, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 19, शयनयान श्रेणी में 547 बर्थ, 04 नवम्बर,2025 को शयनयान श्रेणी में 265 बर्थ, 05 नवम्बर,2025 को शयनयान श्रेणी में 107 बर्थ, 06 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 12, शयनयान श्रेणी में 248 बर्थ, 07 नवम्बर,2025 को शयनयान श्रेणी में 396 बर्थ, 08 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 02 बर्थ, शयनयान श्रेणी में 475 बर्थ, 09 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 25, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 26, शयनयान श्रेणी में 579 बर्थ उपलब्ध है। हसनपुर रोड से चलने वाली 04097 हसनपुर-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी में 25 अक्टूबर,2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 870 बर्थ, 26 अक्टूबर,2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 959 बर्थ, 27 अक्टूबर,2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 938 बर्थ, 03 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 250 बर्थ, 04 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 687 बर्थ, 05 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 775 बर्थ उपलब्ध है। दरभंगा से चलने वाली 04449 दरभंगा-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी में 25 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 231 बर्थ, 26 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 435 बर्थ, 27 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 407 बर्थ उपलब्ध है। मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-दरभंगा पूजा विशेष गाड़ी में 06 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 85, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 304, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 86 बर्थ उपलब्ध है। सीतामढ़ी से चलने वाली 04009 सीतामढ़ी-दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 10 बर्थ, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 61, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 87, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 242 बर्थ, शयनयान श्रेणी में 259 बर्थ तथा 07 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 16 बर्थ, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 57, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 88, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 231 बर्थ, शयनयान श्रेणी में 253 बर्थ उपलब्ध है। मानसी जं0 से चलने वाली 04453 मानसी-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी में 27 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 388 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 04830 गोरखपुर-जोधपुर पूजा विशेष गाड़ी में 07 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 40 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 126 बर्थ उपलब्ध है।

गोरखपुर से 01 फेरे के लिए निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा त्यौहार पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये 03047/03048 हावड़ा-गोरखपुर-हावड़ा अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन 26 अक्टूबर, 2025 को हावड़ा से तथा 27 अक्टूबर, 2025 को गोरखपुर से 01 फेरे के लिए निम्नवत किया जायेगा। 03047 हावड़ा-गोरखपुर अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 26 अक्टूबर, 2025 को हावड़ा से 16.50 बजे प्रस्थान कर बण्डेल से 17.52 बजे, बर्धमान से 19.08 बजे, दुगार्पुर 20.15 बजे, आसनसोल से 21.00 बजे, चितरंजन से 21.27 बजे, मधुपुर से 22.07 बजे, जसीडीह से 22.32 बजे, झाझा से 23.55 बजे दूसरे दिन कियूल से 00.37 बजे, बरौनी से 02.20 बजे, हाजीपुर से 03.50 बजे, सोनपुर से 04.02 बजे, छपरा से 06.30 बजे, सीवान से 07.33 बजे तथा देवरिया सदर से 08.42 बजे छूटकर गोरखपुर 10.15 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 03048 गोरखपुर-हावड़ा अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 27 अक्टूबर, 2025 को हावड़ा से 13.00 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 14.25 बजे, सीवान से 15.40 बजे, छपरा से 17.05 बजे, सोनपुर से 18.20 बजे, हाजीपुर से 18.35 बजे, बरौनी से 21.10 बजे, कियूल से 22.32 बजे दूसरे दिन झाझा से 00.10 बजे, जसीडीह से 00.44 बजे, मधुपुर से 01.10 बजे, चितरंजन से 02.02 बजे, आसनसोल से 02.55 बजे, दुगार्पुर से 03.32 बजे, बर्धमान से 04.54 बजे तथा बण्डेल से 05.53 बजे छूटकर हावड़ा 08.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी/साधारण द्वितीय श्रेणी के 20 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 22 अनारक्षित कोच लगाये जायेंगे।

गोवर्धन पर्व पर की गोपूजा, गोआश्रयों में खिलाया गुड़-चना

बनकटी। पशुपालन विभाग की ओर से अस्थायी गौआश्रय मकदूमपुर में गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष अंकित पांडेय और प्रधान संघ अध्यक्ष रविचंद पांडेय सहित पशुधन प्रसार अधिकारी सुशील कुमार शुक्ला ने गो पूजा की और गायों में गुड़-चना खिलाया। मंडल अध्यक्ष अंकित पांडेय ने कहा कि गोवर्धन पूजा भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है, जो हमें भगवान श्री कृष्ण के जीवन और उनके उपदेशों की याद दिलाता है। यह पर्व भक्ति, प्रेम और धर्म मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। प्रधान अध्यक्ष रविचंद पांडेय ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण का अवतार मानवता, प्रेम और प्रकृति से परिचित कराने के लिए हुआ है और इनके बिना जीवन नीरस हो जाता है। पशुधन प्रसार अधिकारी सुशील कुमार शुक्ला ने बताया कि गोवंश की सेवा भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसा माना जाता है कि गोवंश में समस्त देवी-देवताओं का वास होता है। गोवंश की सच्ची सेवा से ही हमें देवी-देवताओं और भगवान श्री कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

संक्षिप्त खबरें

गोवर्धन पर्व पर की गोपूजा, गोआश्रयों में खिलाया गुड़-चना

बनकटी। पशुपालन विभाग की ओर से अस्थायी गौआश्रय मकदूमपुर में गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष अंकित पांडेय और प्रधान संघ अध्यक्ष रविचंद पांडेय सहित पशुधन प्रसार अधिकारी सुशील कुमार शुक्ला ने गो पूजा की और गायों में गुड़-चना खिलाया। मंडल अध्यक्ष अंकित पांडेय ने कहा कि गोवर्धन पूजा भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है, जो हमें भगवान श्री कृष्ण के जीवन और उनके उपदेशों की याद दिलाता है। यह पर्व भक्ति, प्रेम और धर्म मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। प्रधान अध्यक्ष रविचंद पांडेय ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण का अवतार मानवता, प्रेम और प्रकृति से परिचित कराने के लिए हुआ है और इनके बिना जीवन नीरस हो जाता है। पशुधन प्रसार अधिकारी सुशील कुमार शुक्ला ने बताया कि गोवंश की सेवा भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसा माना जाता है कि गोवंश में समस्त देवी-देवताओं का वास होता है। गोवंश की सच्ची सेवा से ही हमें देवी-देवताओं और भगवान श्री कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त होता है। उन्होंने गोवंश के संरक्षण और संवर्धन पर जोर दिया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सचिव स्तुति पांडेय, जनार्दन शुक्ला, प्रधान धीरज कुमार, परदेसी और अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

अन्नकूट पर मंदिरों में हुआ भंडारे का आयोजन

पुरानी बस्ती। अन्नकूट पर्व बुधवार को क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। विधि विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान कृष्ण को 56 भोग अर्पित करने के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। बसंत दास मारवाड़ी मंदिर, पंचायती मंदिर, बालाजी मंदिर समेत अन्य मंदिरों में देर शाम तक भंडारे में हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। बसंत दास मंदिर के पुजारी लड्डू बाबा ने बताया कि हर साल अन्नकूट पर आसपास के लोगों के सहयोग से भंडारे का आयोजन किया जाता है, जिसमें लोग बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। यह आयोजन सद्भाव और समानता का आयोजन है, जिसमें अमीर -गरीब सब भगवान के आगे एक समान हो जाते हैं।

रामजानकी मंदिर पर हुआ भंडारा

छावनी। अन्नकूट के अवसर पर रामजानकी मंदिर रामरेखा पर भंडारा हुआ। पुजारी दयाशंकर दास ने बताया कि क्षेत्र से कई गांवों से आए लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। दोपहर से शुरू हुआ भंडारा देर शाम तक चलता रहा। अमोढा के चतुर्भुज मंदिर पर मंदिर के पुजारी अनिल दास ने छप्पन भोग लगाया। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इसी क्रम में क्षेत्र के बादल दास पोखरे पर संकट मोचन हनुमान मंदिर पर अखंड रामायण पाठ के उपरांत हवन पूजन के साथ भगवान को पं. कैलाश शर्मा ने भोग लगाया और भंडारे का आयोजन हुआ। दोपहर में क्षेत्रीय आल्हा गायक रामलौट सिंह की तरफ से वीर रस में आल्हा गायन हुआ।

दहेज हत्या के दो मामलों में तीन पर केस दर्ज

बस्ती। नगर व सोनहा थानाक्षेत्र में दहेज उत्पीड़न व विवाहिता की हत्या के दो मामलों में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की है। नगर थाना क्षेत्र के चौबाह में सात माह की गर्भवती की 17 अक्तूबर को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पिता ने पुलिस को तहरीर दी कि 24 मई 2021 को पुत्री की शादी अवधेश कुमार से की की। शादी के बाद से ही ससुराल के लोग दहेज के लिए बेटी को प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि 17 अक्तूबर की रात लगभग डेढ़ बजे उसे फंदा लगाकर मार दिया गया। मृतका गर्भवती थी, जिसके गर्भ में सात माह के बच्चे की भी मौत हो गई। पुलिस ने पति व ससुर पर केस दर्ज कर मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी कलवारी, प्रदीप कुमार त्रिपाठी को सौंपी है। दूसरा मामला सोनहा थाना क्षेत्र का है। मृतका आलिया के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बड़ौंगी निवासी मजहर अली से उसकी बेटी की 13 नवंबर 2024 को शादी हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही वह दहेज के लिए प्रताड़ित हो रही थी। प ति ने पांच लाख रुपये की मांग की। 20 अक्तूबर की शाम लगभग 7:30 बजे उसकी मौत की सूचना मिली। मौके पर जाकर देखा गया कि आलिया का शव घर के बरामदे में पड़ा था और गले पर रस्सी के निशान थे। पुलिस ने मजहर अली के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विवेचना क्षेत्राधिकारी रुधौली के निर्देशन में की जा रही है।

करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

वाल्टरगंज। थाना क्षेत्र के बड़ा बढ़या गांव में मंगलवार की देर शाम इंद्रावती (46) घर में बिजली के बोर्ड में प्लग लग रही थी। इस दौरान वह करंट की चपेट में आ गई। हादसे के समय वह बेहोश हो गईं। परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटे राज कुमार, सत्यदेव, राजा और बेटियां रीता, गीता, सीता, मुनीता गम में डूबे हैं। परिजन ने बताया कि उनकी बेटी मुनीता और बेटे राज कुमार व राजा की शादी अभी नहीं हुई थी। शव का बुधवार को दिन में बक्सई घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। थाना प्रभारी उमाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि घटना के बारे में अभी पूरी जानकारी नहीं है। मामले की जांच की जा रही है।

ललियापार में बहू-बेटी सम्मेलन

लालगंज। ललिया पार में बुधवार को बहू-बेटी सम्मेलन हुआ। स्थानीय आशा, समूह सखी और महिला चौकीदार पूरी टीम के साथ मौजूद रहीं। टीम ने महिलाओं के घर जाकर महिलाओं की समस्याओं को जाना और सभी को एकत्र कर सरकार की योजनाओं और मिशन शक्ति 5.0 के बारे में बताया। महिलाओं को चौपाल के माध्यम से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, मातृ शक्ति को संबल, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

बस में छूटा सामान पुलिस ने दिलाया

पुरानी बस्ती। चारबाग डिपो की बस के कंडक्टर की लापरवाही से महराजगंज के मनोज गुप्ता को बुधवार को घंटों परेशान होना पड़ा। मनोज हर्रैया में चाय पीने उतरे थे। इसी बीच बस चल दी। मनोज का सामान बस में ही था। उन्होंने डायल 112 पर फोन किया और उनकी मदद से बस को पॉलिटेक्निक चौराहे पर रोका गया। दूसरी बस से मनोज पॉलिटेक्निक चौराहे पहुंचे और अपना समान सुरक्षित पाकर चैन की सांस ली। इस कारण करीब एक घंटे तक बस में बैठे यात्रियों को भी परेशान होना पड़ा। महराजगंज के घुघली के अमवा भैसी गांव के मनोज गुप्ता लुधियाना में नौकरी करते हैं। त्योहार पर घर आ रहे थे। बुधवार सुबह वह ट्रेन से लखनऊ पहुंचे। वहां से गोरखपुर के लिए चारबाग डिपो की बस में बैठे। दोपहर करीब 12 बजे बस हर्रैया में एक ढाबे पर रुकी, जहां मनोज व अन्य यात्री चाय पीने के लिए उतरे थे। कुछ देर बाद बस चली गई पर मनोज वहीं छूट गए। सारा सामान बस में होने से वह परेशान हो गए। उन्होंने डायल 112 पर फोन किया। डायल 112 ने पता लगाकर बस को बस्ती के पॉलिटेक्निक चौराहे पर रुकवाया।

जिमखाना क्लब के बाहर महिला से चेन स्नैचिंग, एफआईआर दर्ज

लखनऊ (संवाददाता)। कैसरबाग स्थित जिमखाना क्लब के बाहर बीती रात एक महिला से चौन स्नैचिंग हुई। ठाकुरगंज हरदोई रोड निवासी शीरू रस्तोगी अपने पति राजीव रस्तोगी के साथ क्लब में डिनर के लिए गई थीं। पीड़ित ने इस मामले में ठाकुरगंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। शीरू रस्तोगी ने बताया कि वो अपने पति के साथ डिनर करने जा रही थी।

बीजेपी सांसद बोले-लखनऊ में अफसर बांग्लादेशियों को आईडी बांट रहे, सीएम योगी डिपोर्ट करवाएं

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सैकड़ों बांग्लादेशी घुस आए हैं। इनके बच्चे चौराहों पर गुब्बारे-पेन बेचते, भीख मांगते मिल जाएंगे। इतना ही नहीं, नगर निगम के अफसरों ने इन्हें आईडी देकर लखनऊ का निवासी बना दिया है। यहां झोपड़ियों में रोहिंग्या रह रहे। पुलिस इनका वेरिफिकेशन नहीं कर पा रही। ये देश के लिए खतरा हैं। काम की आड़ में आतंकी संगठनों के लिए काम कर रहे हैं। ये बातें भाजपा के राज्यसभा सांसद और यूपी के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने लखनऊ में कहीं। दरअसल, वे सर्विस रोड तरह गुरुवार को भी मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। इस दौरान उन्होंने कुछ सफाईकर्मियों का वीडियो बनाया। उन्होंने दावा किया कि ये सभी बांग्लादेशी हैं। उन्होंने कहा गोमती नगर विस्तार की सर्विस रोड पर मैं मॉर्निंग वॉक करने निकलता हूं तो ये लोग मुझे सफाई करते मिलते हैं। उसके बाद दिन भर बैठे रहते हैं। पूछने पर ये लोग कहते हैं कि असम से आए हैं, लेकिन हैं ये लोग बांग्लादेशी। उन्होंने सीएम योगी से ऐसे घुसपैठियों को बांग्लादेश डिपोर्ट करने की मांग की।

इसे लेकर यूपी के पूर्व डीजीपी का वीडियो भी सामने आया है। भाजपा सांसद बृजलाल का यह बयान इसलिए भी अहम है, क्योंकि यूपी में योगी आदित्यनाथ वाली भाजपा सरकार है। बृजलाल ने कहा लखनऊ में इतने बांग्लादेशी रह रहे हैं, लेकिन इसकी चिंता न तो नगर निगम को है, न ही लखनऊ पुलिस को। देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय साजिश के तहत देश का गजवा-ए-हिंद करने की साजिश पर कुछ लोग काम कर रहे हैं। दुखद है कि नगर निगम ने इन्हें सफाईकर्मी के रूप में तैनात कर रखा है। गोमतीनगर विस्तार में खाली जमीनों और गोमती नदी की तलहटी, नालों के किनारे इन बांग्लादेशियों की बहुत झोपड़ियां मिल जाएंगी। ये खुद को असम के बोंगाई, नलबाड़ी, बरपेटा और नौगांव का बताते हैं। ये सब उन्हीं गांवों के नाम हैं, जहां कांग्रेसी सरकारों ने ऐसे लोगों को वोट बैंक के तौर पर योजनाबद्ध तरीके से बसाया गया था। इंदिरा गांधी इन्हीं बांग्लादेशियों के सहारे 1983 का असम चुनाव जीतना चाहती थीं। इनकी संख्या उस समय लगभग 40 लाख थी। ऑल असम स्टूडेंट यूनियन, ऑल असम गण संग्राम की मांग थी कि पहले इन विदेशियों को बाहर करो। संगठनों का कहना था कि इंदिरा गांधी अपनी जिद पर अड़ी रहीं, जिसका परिणाम 12 फरवरी 1983 को नेल्ली दंगा हुआ। उसमें 3000-4000 लोग मारे गए थे। मैं खुद अपनी पीएसी बटालियन के साथ बोंगाई आदि गांवों में रहा हूं। वहां के बारे में अच्छे से जानता हूं। ये लोग बांग्लादेशी हैं। इनकी भाषा बताती है कि ये असमी नहीं हैं। लखनऊ में रह रहे ये बांग्लादेशी देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा हैं। जब से बांग्लादेश में कट्टरपंथियों और पाकिस्तान समर्थक सरकार बनी है, तब से यह खतरा बहुत बढ़ गया है। बांग्लादेशी अपराधी गैंग डकैती, चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। इतना ही नहीं, बांग्लादेशी आतंकी संगठन (हरकत-उल-जिहाद अल- इस्लामी) ने देश में कई जगहों पर आतंकी घटना की है। उत्तर प्रदेश भी इसका भुक्तभोगी है।

युवक ने सुसाइड किया, सीढ़ियों की रेलिंग से फांसी लगाई

लखनऊ (संवाददाता)। तालकटोरा क्षेत्र में बेरोजगारी से परेशान एक युवक ने बुधवार शाम अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। उपनिरीक्षक दिनेश सिंह के अनुसार, मृतक की पहचान तालकटोरा थाना क्षेत्र के ई-5/1 राजाजीपुरम, डबल पुलिया निवासी आशु शंकर बाजपेई (40) पुत्र स्वर्गीय प्रभाकर दत्त बाजपेई के रूप में हुई है। उन्होंने बुधवार शाम करीब 8.30 बजे अपने घर के सीढ़ी की

रेलिंग में रस्सी से फांसी लगा ली। परिजनों ने बताया कि आशु शंकर लंबे समय से बेरोजगार थे, जिसके कारण वे मानसिक तनाव में थे। परिजनों ने तुरंत आशु शंकर को राजाजीपुरम स्थित रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद तालकटोरा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मौत का कारण फांसी लगाना प्रतीत हो रहा है। हालांकि, घटना की सत्यता की पुष्टि के लिए गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने नियमानुसार पंचायतनामा भरकर शव का पोस्टमार्टम कराया है। मृतक अपने पीछे पत्नी आकांक्षा बाजपेई, बेटे पीयूष बाजपेई और बेटी यवस्वी बाजपेई को छोड़ गए हैं। इस घटना से परिवार गहरे सदमे में है।

जिमखाना क्लब के बाहर महिला से चेन स्नैचिंग, एफआईआर दर्ज

लखनऊ (संवाददाता)। कैसरबाग स्थित जिमखाना क्लब के बाहर बीती रात एक महिला से चौन स्नैचिंग हुई। ठाकुरगंज हरदोई रोड निवासी शीरू रस्तोगी अपने पति राजीव रस्तोगी के साथ क्लब में डिनर के लिए गई थीं। पीड़ित ने इस मामले में ठाकुरगंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। शीरू रस्तोगी ने बताया कि वो

अपने पति के साथ डिनर करने जा रही थी। क्लब के बाहर कार से उतरी कर खड़ी थीं। पति पास में ही गाड़ी को पार्किंग में खड़ी करने गए थे। तभी सामने से हेलमेट लगाए बाइक सवार युवक आया और झपट्टा मारकर उनके गले में पड़ी चेन और लॉकेट छीनकर फरार हो गया। घटना रात करीब 9.45 बजे की है। बदमाश परिवर्तन चौक की तरफ भाग गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

आर्ट कॉलेज के स्टूडेंट सजा रहे छठ घाट, मिथिला पेंटिंग से दे रहे भव्यता

लखनऊ (संवाददाता)। छठ पूजा का त्योहार नजदीक आते ही लखनऊ में तैयारियां जोरों पर है। खासकर गोमती नदी के किनारे बने लक्ष्मण झूला मैदान में खूब रौनक दिख रही है। घाट को रोशनी, झालरों और रंग-बिरंगी सजावट खासकर मिथिला पेंटिंग से इस तरह सजाया जा रहा है कि पूरा इलाका चमक उठा है। दिन-रात सफाई और साज-सज्जा का काम चल रहा है, ताकि श्रद्धालु जब पूजा के लिए पहुंचें तो पूरा माहौल भक्ति और खूबसूरती से भरा हो। इस बार घाट को सजाने की जिम्मेदारी आर्ट कॉलेज के छात्रों को दी गई है। कॉलेज के छात्र अपनी कला से घाट को निखार रहे हैं। छात्र नीरज बिंद ने बताया, प्रशासन की ओर से हमें घाट सजाने का काम मिला है। हम लोग मिलकर पूरे मैदान को रंग, झालर और लाइटों से सजा रहे हैं, ताकि छठ पूजा पर आने वाले लोगों को खूबसूरत नजारा दिखे। छात्रों की टीम पेड़ों पर लाइटें लटकाने, नदी किनारे झालरें लगाने और पंडालों की रंगाई-पुताई में जुटी है। घाट और उसके आसपास की सफाई का काम लगातार चल रहा है। नगर निगम की टीमें मैदान में झाड़ू लगा रही हैं, कचरा उठाया जा रहा है और गंदगी हटाई जा रही है। बिजली विभाग की टीमें लाइटें लगाने और तारों की जांच में जुटी हैं। पुल के नीचे झालरें लगाई जा रही हैं, घाट की रेलिंगों की मरम्मत हो रही है, ताकि कोई दुर्घटना न हो। रात के समय पूरे मैदान में बिजली की लाइटों से उजाला रहेगा ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो। छठ पर्व के मौके पर लाखों की भीड़ उमड़ने की संभावना को देखते हुए अधिकारी लगातार घाट का दौरा कर रहे हैं। जल निगम, नगर निगम और विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर हर काम की समीक्षा कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि छठ पूजा से पहले सभी काम पूरे कर लिए जाएंगे। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सफाई और बिजली की व्यवस्था को लेकर कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

बदला रामलला के दर्शन और आरती का समय

लखनऊ (संवाददाता)। शीत ऋतु आगमन के साथ ही रामलला के दर्शन के समय में गुरुवार से बदलाव कर दिया गया है। अब श्रद्धालुओं को राम मंदिर में सुबह सात बजे से रामलला के दर्शन होंगे। मंदिर में दर्शन रात नौ बजे तक जारी रहेगा। रामलला की आरती के समय में भी बदलाव किया गया है। दोपहर में आरती व भोग के लिए एक घंटे तक मंदिर के पट बंद रहेंगे।ट्रस्ट के तरफ से रामलला के दर्शन की नई समय सारिणी जारी की गई है। राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि अब शरद ऋतु शुरू हो रही है। ऐसे में रामलला के दर्शन अवधि में बदलाव किया गया है। रामलला की मंगला आरती जो अब तक सुबह चार बजे होती थी, अब 4.30 बजे होगी। रामलला की श्रृंगार आरती सुबह छह बजे के बजाय 6.30 बजे होगी। दर्शन अब तक सुबह 6.30 बजे से शुरू होता है, वह अब सुबह सात बजे से शुरू होगा। नई समय सारिणी के मुताबिक अब सुबह 0ल4.30 बजे मंगला आरती,सुबह 6.30 बजे श्रृंगार आरती ,दर्शन मार्ग से प्रवेश प्रारंभ। सुबह 7 बजे दर्शन प्रारंभदोपहर 1 बजे-भोग आरती-डी-वन से प्रवेश बंद,दोपहर 12.30 से 1 बजे तक पट बंद,दोपहर 1 बजे-दर्शन प्रारंभरात 9 बजे-डी-एक से प्रवेश बंद और रात 9.15 बजे दर्शन समाप्त रात 9.30 बजे-शयन आरती-आरती के बाद कपाट बंद होंगे।

अखिलेश यादव के जन्मदिन पर वायरल प्रबल इंजन पोस्टर, 2027 से पहले सपा का नया पोस्टर वायरल

लखनऊ (संवाददाता)। आज भले अखिलेश यादव 52 साल के हो गए लेकिन उनके जन्मदिन से ज्यादा चर्चा आज भी उनके एक पोस्टर की हो रही है। अभी भले एक साल से ज्यादा का समय यूपी चुनाव में बचा हो... लेकिन अभी से कहीं न कहीं यूपी की फिजा चुनावी रंग में घुलने लगी है। दअरसल, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के 52वें जन्मदिन पर एक बार फिर से सपा कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है, इस पोस्टर में बीजेपी की डबल इंजन सरकार का जवाब प्रबल इंजन की सरकार के नारे से दिया गया है, आपको बता दें कि अखिलेश यादव का कागजी जन्मदिन 1 जुलाई को पड़ता है, वहीं अखिलेश यादव का असली जन्मदिन आज 23 अक्टूबर को उनके जानने वाले मनाते हैं। इस पोस्टर में अखिलेश यादव को रेलगाड़ी के इंजन में बैठे हुए दिखाया गया है, जिस पर लिखा है समाजवादी पार्टी- एक इंजन, मजबूत इंजन. ट्रेन के पीछे जुड़े डिब्बों में अखिलेश यादव के कार्यकाल की प्रमुख योजनाओं और उपलब्धियों को दशार्या गया है, जैसे- मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, डायल 100 सेवा, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, लखनऊ मेट्रो, समाजवादी पेंशन योजना, कन्या विद्याधन, शादी अनुदान और लैपटॉप योजना। इस पोस्टर पर अखिलेश यादव को संस्कृत के एक श्लोक के माध्यम से शुभकामनाएं भी दी गई हैं, जिसमें लिखा है अद्रोहः सर्वभूतेषु कर्मणा मनसा गिरा, अनुग्रहश्च दानं, शीलमेतद् विदुबुर्धाः।। जन्मदिवसस्य अनेकशः शुभकामना ः। जिसका मतलब है जो व्यक्ति सभी प्राणियों के प्रति कर्म, मन और वाणी से अद्रोह (किसी के प्रति वैर या द्वेष न रखना) करता है, तथा अनुग्रह (दयालुता) और दान (सहायता या उदारता) करता है, बुद्धिमान लोग ऐसे आचरण को ही सच्चा शील मानते हैं। आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। ये पोस्टर समाजवादी पार्टी के नेता जयराम पांडे ने लगाया है, जो संत कबीर नगर की मेंहदावल विधानसभा सीट से प्रत्याशी रह चुके हैं, बता दें कि जयराम पांडे के पोस्टर पहले भी चर्चा में रह चुके हैं. साल 2022 विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने आ रहा हूं स्लोगन वाला पोस्टर लगाया था, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था. इस बार फिर से डबल इंजन के सरकार का जवाब प्रबल इंजन से देकर उन्होंने राजनीति में एक नई चर्चा शुरू कर दी है।

सड़क पर युवक से नाक रगड़वाने वाले बीजेपी नेता की पार्टी सदस्यता रद्द

लखनऊ (संवाददाता)। मेरठ में सड़क पर युवक से नाक रगड़वाने के मामले में बीजेपी ने सख्त कार्रवाई की है। पार्टी ने आरोपी नेता विकुल चपराना की सदस्यता रद्द कर दी है। विकुल चपराना मेरठ बीजेपी किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष थे।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें विकुल चपराना एक युवक से सड़क पर नाक रगड़वा रहे थे, जबकि मौके पर मौजूद पुलिस मूकदर्शक बनी रही। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की भूमिका पर सवाल उठे और मामले ने तूल पकड़ लिया। विवाद गाड़ी निकालने को लेकर हुआ था। आरोप है कि झगड़े के दौरान विकुल चपराना ने शराब के नशे में दो युवकों के साथ मारपीट की और उन्हें अपमानित किया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी नेता को गिरफ्तार कर लिया।राज्यमंत्री सोमेंद्र तोमर ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि घटना की जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। योगी सरकार में कोई भी गलत काम करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।सोमेंद्र तोमर ने स्पष्ट किया कि इस विवाद से उनका कोई संबंध नहीं है। विकुल चपराना उनकी विधानसभा के रहने वाले हैं और पार्टी के कार्यकर्ता हैं, लेकिन कानून अपना काम करेगा।

ऑनलाइन हाजिरी में छात्र शिक्षकों से बेहतर

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बेसिक स्कूलों के पठन-पाठन को बेहतर बनाने के लिए कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार न सिर्फ स्कूलों को संसाधनों से लैस कर रही है बल्कि शिक्षकों की उपस्थिति पर भी विशेष ध्यान दे रही है। इस दिशा में आनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने का नियम लागू किया गया है, जिससे शिक्षकों की हाजिरी की पारदर्शिता बढ़ेगी। वर्तमान में शिक्षकों की इस प्रक्रिया में रुचि कम देखने को मिल रही है।राज्य परियोजना कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में 1,32,643 स्कूलों में 6,12,642 शिक्षक हैं, लेकिन पहली पाली में केवल 93 और दूसरी पाली में सिर्फ 58 शिक्षकों ने ऑनलाइन हाजिरी दर्ज कराई है। यह संख्या कुल शिक्षकों का महज 0.01 प्रतिशत बनती है। विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति 16.79 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो शिक्षकों की उपस्थिति के मुकाबले काफी अधिक है।प्रयागराज जिले में 2,839 स्कूल और 15,264 शिक्षक हैं, लेकिन पहली पाली में केवल 4 और दूसरी पाली में 1 शिक्षक ने ही ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की। चित्रकूट, फरुर्खाबाद, बदायूं, हाथरस, लखनऊ, हरदोई, सीतापुर जैसे जिलों में शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी न के बराबर है। कई जिलों में तो एक भी शिक्षक ने ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है, जो शिक्षा विभाग के लिए चिंता का विषय है।बीएसए प्रयागराज देवव्रत सिंह के मुताबिक शिक्षक विश्वसनीयता बढ़ाने और दूसरों के लिए प्रेरणा बनने के लिए शत प्रतिशत ऑनलाइन हाजिरी दर्ज करें। इस दिशा में विभाग ने टैबलेट और सिमकार्ड भी शिक्षकों को उपलब्ध कराए हैं ताकि तकनीकी समस्या न आए।

एमएसपी पर खरीदारी के लिए 1.37 लाख किसानों ने कराया पंजीकरण, धान की बिक्री के लिए तैयार है सरकार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में खरीद सत्र 2025-26 में धान बिक्री के लिए पहली सितंबर से किसानों द्वारा पंजीकरण शुरू किया गया है। 23 अक्टूबर की सुबह 12 बजे तक एक लाख 37 हजार 166 किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। अधिकृत सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि सरकार ने 4000 क्रय केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से 3790 क्रय केंद्र स्थापित हो गए हैं।यह केंद्र किसानों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर यह खरीदारी कर रही है। खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक धान बिक्री के लिए किसान तेजी से पंजीकरण करा रहे हैं। 23 अक्टूबर की दोपहर 12 बजे तक 1.37 लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। .बि.नच.हवअ.पद और मोबाइल ऐप यूपी किसान मित्र पर पंजीकरण किया जा रहा है। धान की बिक्री के लिए ओटीपी आधारित सिंगल पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। किसान मोबाइल पर एसएमएस से मिले ओटीपी को भरकर पंजीकरण करा सकते हैं। किसानों को भुगतान सीधे आधार लिंक्ड बैंक खाते में किया जा रहा है। पहली अक्टूबर से पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली,आगरा, अलीगढ़, झांसी संभाग में खरीद हो रही है। वहीं लखनऊ संभाग के हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर जनपद में भी धान खरीद हो रही है। योगी सरकार ने 60 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा है। 23 दिन में इन संभागों में 35.63 हजार मीट्रिक टन से अधिक की खरीद की जा चुकी है। डबल इंजन सरकार ने इस वर्ष धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि भी की है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (कॉमन)-2369 और (ग्रेड ए) का 2389 रुपये प्रति कुंतल तय किया गया है। योगी सरकार ने 48 घंटे के भीतर किसानों को भुगतान का निर्देश दिया है। क्रय केंद्र सुबह नौ से शाम पांच बजे तक खुले हैं। 17 प्रतिशत नमी तक का धान खरीदा जा सकता है। योगी सरकार ने धान खरीद के लिए कैबिनेट बैठक में प्रदेश में 4000 क्रय केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा था। इसमें से अब तक 3790 क्रय केंद्र स्थापित किये जा चुके हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के संभागों में पहली नवम्बर से धान खरीद होगी।

नदवी टूर एंड ट्रैवल्स ने जाईरीन ए हरम अवार्ड वितरण हेतु एक भव्य समारोह का आयोजन किया

लखनऊ (संवाददाता)। नदवी टूर एंड ट्रैवल्स ने जाईरीन ए हरम अवार्ड वितरण हेतु एक भव्य समारोह का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता लखनऊ के शेर, सहाबा एक्शन कमेटी के अध्यक्ष, महामहिम अब्दुल वहीद साहब फारूकी ने की, जबकि देखरेख और मेजबानी का दायित्व नदवी टूर एंड ट्रैवल्स के निदेशक, केले वाली मस्जिद के इमाम और खतीब, मौलाना मुहम्मद मुजम्मिल नदवी ने निभाया। नदवी टूर एंड ट्रैवल्स के माध्यम से उमराह की पवित्र यात्रा से लौटने पर, सभी को दारुल उलूम नदवतुल उलमा लखनऊ के महासचिव मौलाना अम्मार हसनी नदवी द्वारा जाईरीन ए हरम अवार्ड प्रदान किया गया। इस अवसर पर मौलाना ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जो लोग हरम की जियारत कर चुके हैं, वे सचमुच बहुत भाग्यशाली हैं, अल्लाह उन्हें बार-बार हरम की जियारत करने का सौभाग्य प्रदान करे। श्री अब्दुल वहीद फारूकी ने कहा कि जनता को चाहिए कि वह अपने वफादार नेताओं को पहचाने और उनके मार्गदर्शन पर चले- यहीं हमारी मुक्ति और सफलता निहित है। उन्होंने नदवी टूर एंड ट्रैवल्स का उल्लेख किया और कहा कि मैंने भी इसी ट्रैवल के माध्यम से उमराह की पवित्र यात्रा पूरी की। मैंने और मेरे साथ उमराह यात्रा पर गए यात्रियों ने ट्रैवल की सेवाओं की सराहना की और अपनी संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह निदेशक मौलाना मुजम्मिल नदवी ने हमसे यहां सुविधाओं का जिक्र किया था, वहां हमें उसी तरह सभी सुविधाएं प्रदान की गई। मौलाना सैयद अतहर कासमी साहब ने मौलाना मुजम्मिल नदवी को संबोधित करते हुए कहा कि आप हमारे बेटे की तरह हैं, शहर में सभी के साथ मिलकर काम करें, जहां भी मेरी जरूरत होगी, मैं आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहूंगा। लाइफटाइम सर्विस इन एजुकेशन अवार्ड से सम्मानित हाफिज मुहम्मद अकबर साहब ने कहा कि मैं 25 साल से लखनऊ में हूं कारी जिया-उल-हक मल्लावी ने कहा, ष्मैं अपने छोटे भाई मौलाना मुजम्मिल को हार्दिक बधाई देता हूँ। लखनऊ से मक्का-मदीना तक उनकी यात्रा सेवाएँ बेहद आरामदायक हैं। उमराह यात्रा पर जाने वाले दोस्तों से अनुरोध है कि वे नदवी टूर एंड ट्रैवल्स की सेवाओं का लाभ उठाएँ। इस समारोह में सम्मानित होने वालों के नाम इस प्रकार हैं।

संक्षिप्त खबरें

लोनिवि चालक संघ चुनाव 8 एवं 9 नवम्बर को होगा

लखनऊ (संवाददाता)। राजकीय परिवहन चालक संघ लोक निर्माण विभाग की द्विवार्षिक अधिवेशन की घोषणा समयानुसार वर्तमान कार्यकारिणी ने कर दी है। लोक निर्माण विभाग विश्वेश्वैया प्रेक्षागृह में अधिवेशन 8 एवं 9 नवम्बर 25 को सम्पन्न होगा। यह जानकारी संघ के अध्यक्ष शिव कुमार यादव एवं महामंत्री सुभाष चन्द्र मिश्रा ने संयुक्त रूप से दी। उन्होंने बताया कि प्रान्तीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी शिव कुमार यादव अध्यक्ष और सुभाष मिश्र महामंत्री,प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज सिंह रावत, उपमंत्री शकील अहमद, संयुक्त मंत्री वीरेंद्र सिंह, संगठन मंत्री बेचन प्रसाद, प्रसार मंत्री शफीक हुसैन, कोषाध्यक्ष अजय बिसारिया, सम्प्रेक्षक राजकुमार की उपस्थिति में समयानुसार अधिवेशन कराये जाने का निर्णय पिछली बैठक में लिया गया था। इस द्विवार्षिक अधिवेशन के लिए मुख्य अभियंता कार्यालय से प्रदेश के सभी वाहन चालकों के लिए 8 एवं 9 नवम्बर 25 का विशेष आकस्मिक अवकाश घोषित किया जा चुका है। अधिवेशन में प्रत्येक जनपदों से नियमानुसार सदस्यों को आमंत्रित किया जा चुका है।

महिला ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी

लखनऊ (संवाददाता)। दुबग्गा थाना क्षेत्र के मुलवीखेड़ा गांव में गुरुवार सुबह एक महिला ने चलती ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान किसान नरेश की 45 वर्षीय पत्नी रानी रावत के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रानी रावत पिछले कुछ महीनों से मानसिक रूप से परेशान थीं। उनके पति नरेश ने बताया कि करीब चार महीने पहले उनके पेट का ऑपरेशन हुआ था, जिसके बाद से वह अपनी बीमारी को लेकर लगातार चिंतित रहती थीं। गुरुवार सुबह करीब आठ बजे रानी अचानक घर से निकलीं और दुगांगंज रेलवे ट्रैक पर जाकर ट्रेन के सामने कूद गईं। इस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। रानी अपने पीछे दो बेटे सचिन और अमित तथा एक बेटी शशि को छोड़ गई हैं। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

युवक ने खुद को गोली मारी, कमरे में मृत मिला

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में सतखंडा चौकी अंतर्गत पंजतन हाइट्स में बुधवार देर रात एक व्यक्ति ने खुद को गोली मार ली। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन कर रही है। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज ओमवीर सिंह ने बताया- पंजतन हाइट्स की पहली मंजिल पर स्थित फ्लैट नंबर-106 में रहने वाले आबिद नामक व्यक्ति ने खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। थाना ठाकुरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस परिजनों और परिचितों से पूछताछ कर रही है। इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह का कहना है आबिद राजा नकवी प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता था। लेनदेन के चलते काफी समय से परेशान था। जिसके चलते डिप्रेशन की गोलियां भी खा रहा था। मौका से कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला है। पूछताछ में सामने आया है पत्नी अस्मत अपनी बच्ची के साथ अलग रहती थी। पत्नी एरा मेडिकल एंड हॉस्पिटल में टीचर है।

बसपा से निष्कासित किए गए शमशुद्दीन राईन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बसपा सुप्रीमो अपने कड़े फैसले के लिए जानी जाती है। पार्टी अपने बुरे दौर से गुजर रही है, लेकिन मायावती भीतरघात और पार्टी विरोधी गतिविधि में काम करने वाले पर तुरंत एक्शन लेती है। इसी कड़ी उन्होंने आज बड़ा फैसला लिया है। बसपा ने गुटबाजी व अनुशासनहीनता के आरोप में शमशुद्दीन राईन को पार्टी से बर्खास्त कर दिया गया है। वह लखनऊ व कानपुर मंडल के प्रभारी थे। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष ने बयान जारी कर दिया गया है। जारी किए गए बयान में कहा गया है कि राईन पार्टी में गुटबाजी और अनुशासनहीनता कर रहे थे। उन्हें इस संबंध में चेतावनी भी दी गई लेकिन उन्होंने कार्यशैली में सुधार नहीं किया। ऐसे में उन्हें बसपा से निष्कासित कर दिया गया है।

10वीं की छात्रा ने की आत्महत्या, हाथ की नस काटी फिर फांसी लगाई

लखनऊ (संवाददाता)। बंथरा थाना क्षेत्र के हरौनी गांव में कक्षा 10 की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। 16 वर्षीय ज्योति की बुधवार देर रात इलाज के दौरान ट्रॉमा सेंटर में मौत हुई।पुलिस के अनुसार, ज्योति ने सोमवार, 20 अक्टूबर को पहले अपने हाथ की नस काट ली थी। इसके बाद वह कमरे में गई और पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली। सूत्रों के मुताबिक, ज्योति का घर में ही किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। बताया जाता है कि इस झगड़े के बाद गुस्से में आकर उसने पहले हाथ की नस काट ली थी। परिवार वालों ने उसे समझाकर शांत किया, लेकिन जब मां नहाने चली गईं, तभी ज्योति ने कमरे का दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली। दरवाजा बंद देखकर बड़े भाई सूरज ने हथौड़े से तोड़कर अंदर झांका, तो ज्योति पंखे से दुपट्टे के सहारे लटकी मिली। फंदे से उतारकर आनन-फानन उसे कटी बगिया स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां से गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे टीएस मिश्रा अस्पताल और बाद में ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। बुधवार देर रात ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतका के परिवार में उसके पिता दुर्विजय (जो राजगीर मिस्त्री का काम करते हैं) और मां के अलावा दो शादीशुदा बड़े भाई और एक विवाहित बड़ी बहन है।

बेसिक और माध्यमिक शिक्षक मूल तैनाती पर होगी वापसी-पार्थसारथी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बेसिक और माध्यमिक शिक्षक मूल तैनाती पर वापस होंगे। योगी सरकार ने नियमों के विरुद्ध शिक्षकों और कर्मियों की मूल पद से इतर संबद्धता को समाप्त कर मूल पदों पर भेजने का निर्देश दिया है। अपर मुख्य सचिव बेसिक व माध्यमिक पार्थ सारथी सेन शर्मा ने शासनादेश में कहा है कि संबद्ध शिक्षकों और कर्मियों को तुरंत उनके मूल पदों पर भेजा जाए। बेसिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशक से 10 दिन में इसकी रिपोर्ट मांगी है।अपर मुख्य सचिव की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि शासन की अनुमति के बिना अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा जिन शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को उनके मूल तैनाती से इतर संबद्ध किया गया है, उनका संबद्धीकरण आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर मूल स्थान पर वापस भेजा जाए। यह भी कहा गया है कि भविष्य में शासन की अनुमति के बिना किसी भी शिक्षक, अधिकारी या कर्मचारी को ऐसे स्थान पर संबद्ध न किया जाए जहां उनकी मूल तैनाती न हो। कहा गया है कि निदेशों का तत्काल पालन किया जाए।उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा के करीब 4500 शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी अपने मूल विद्यालयों से इतर कार्यालयों और अलग-अलग संस्थानों में संबद्ध हैं। शासन के इस आदेश के बाद शिक्षकों और कर्मियों के संबद्धीकरण खत्म होने से भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी।

सम्पादकीय

कानून का इकबाल

सत्ता के नशे में आम आदमी के अधिकारों को कैसे कुचला जा रहा है इसका ताजा उदाहरण उत्तरप्रदेश के मेरठ से सामने आया है। मंगलवार को मेरठ के एक व्यापारी सत्यम रस्तोगी अपने मित्र के साथ रात को खाने पर एक होटल पहुंचे, जहां एक स्थानीय भाजपा नेता के साथ पार्किंग को लेकर उनका विवाद हुआ। जिसके बाद उस नेता ने व्यापारी को न केवल अपशब्दों से अपमानित किया, बल्कि जमीन पर नाक रगड़ कर माफी मंगवाई। इस पूरे वाकये का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, हालांकि इसे देखकर आम लोगों में नाराजगी और दुख का जो भाव व्यापक पैमाने पर उभरना चाहिए था, जो नजर नहीं आया। संभवतरू जनता ने इस बात को स्वीकार कर लिया है कि सत्ता पर बैठे लोगों के करीबियों या पुलिस प्रशासन के पास यह ताकत है कि वह कानून अपने हाथ में लें, सही-गलत की परवाह न करके आम लोगों के साथ अपमानजनक व्यवहार करें। जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। लोगों में अपने हक के लिए आवाज उठाने की हिम्मत होनी चाहिए। संविधान में यह हिम्मत मौलिक अधिकारों के तौर पर परिभाषित है। ये मौलिक अधिकार हरेक नागरिक को समानता, सम्मान और गरिमा का जीवन सुनिश्चित करते हैं। मगर ये अधिकार तभी कायम रहेंगे और अपना असर दिखाएंगे, जब जनता ही यह मान लेगी कि मेरठ जैसी घटनाएं तो आम हैं, तब तो मौलिक अधिकारों के कमजोर होने और उसके साथ संविधान के अप्रासंगिक होने के खतरे और बढ़ जाएंगे। मेरठ का जो वीडियो वायरल हुआ, उसमें विकुल चपराणा नाम का भाजपा नेता पुलिस की मौजूदगी में व्यापारी सत्यम रस्तोगी से जमीन पर नाक रगड़वाते और गालियां देते देखा जा सकता है। यह वही भाजपा है जिसने प्रधानमंत्री की मां को कहे गए अपशब्द पर बिहार बंद करवाया था, और राहुल गांधी के रायबरेली आने पर रास्ता जाम कर उनका काफिला रोका था। प्रधानमंत्री की मां को जब अपशब्द कहे गए, तब राहुल गांधी वहां थे भी नहीं, फिर भी उनके खिलाफ जी भर के अपमानजनक टिप्पणियां की गईं। खुद नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे को भुनाते हुए बात को छठी मईया तक ले गए। उन्हें लगता है कि इस तरह बिहार में भाजपा को चुनावी फायदा होगा। लेकिन स्त्री का अपमान या स्त्रियों के नाम पर कहे गए अपशब्द चुनावी लाभ-हानि से कहीं अधिक गंभीर मसला है। यह व्यक्ति की निकृष्ट मानसिकता को जाहिर करता है। मेरठ में विकुल चपराणा ने इसी मानसिकता का प्रदर्शन सत्यम रस्तोगी को अपशब्द कहने में किया। श्री रस्तोगी ने इस अपमान को बर्दाश्त किया, क्योंकि वहां खड़ी पुलिस भी इस तमाशे को देखती रही। पुलिस ने आम आदमी के अधिकार की रक्षा का अपना दायित्व पूरा नहीं किया। एक और वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पुलिस अधिकारी ही व्यापारी पर माफी मांगने का दबाव बना रहे हैं। पीड़ित सत्यम रस्तोगी ने बताया कि मैंने सिर्फ पार्किंग मांगी थी, लेकिन मंत्री का नाम लेकर धमकी दी गई। एसआई साहब ने भी माफी मांगने को कहा, वरना कार जब्त हो जाएगी। इसलिए अपमान सहना पड़ा। इस बयान से जाहिर है कि पुलिस भी सत्ता के चाकर की तरह व्यवहार करने लगी है, जबकि उसे आम जन के रक्षक की तरह होना चाहिए। बता दें कि भाजपा नेता विकुल खुद को ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर का भाई बताता रहा और हंगामा करता रहा। विकुल चपराणा ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में बतौर छात्र नेता अपने राजनैतिक जीवन की शुरूआत पांच साल पहले की और जल्द ही गुर्जर समाज में अपनी पकड़ मजबूत की। इसके बाद विकुल चपराणा उत्तर प्रदेश सरकार के गुर्जर समाज से आने वाले ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर का करीबी बन बैठा। विकुल ने मेरठ, गाजियाबाद और आसपास के जिलों में गुर्जर समाज को एकजुट करने की मुहिम चलाई। कई बार भाजपा के कार्यक्रमों और अभियानों में उसे मंच साझा करते हुए भी देखा गया है। ऊर्जा मंत्री के दम पर विकुल की पंचायत चुनाव में प्रबल दावेदारी मानी जा रही है। लेकिन इस घटना ने हालात बदल दिए हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और कुछ लोगों ने इस मामले की आलोचना की, तो मेरठ के एसएसपी ने एसआई, हेड कांस्टेबल और एक कांस्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया। वहीं केस दर्ज कर विकुल चपराणा को गिरफ्तार किया गया, हालांकि अब उसे जमानत भी मिल गई है। जिन डॉ. सोमेंद्र तोमर का नाम लेकर विकुल हंगामा कर रहा था, उन्होंने कहा कि योगी की सरकार है, इसमें जांच के बाद दोषी को सजा मिलेगी। उन्होंने ये भी कहा कि भाजपा बहुत बड़ी पार्टी है, समर्थक भी बहुत हैं, जो भी मामला है, उस पर पुलिस अपनी जांच कर रही है। मगर ये भी देखना होगा कि ऐसे हालात क्यों बने।

जनता की भागीदारी के बिना स्वदेशी का नारा सिर्फ नारा ही रहेगा

विनीत नारायण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधनों में वोकल फॉर लोकल और हर घर स्वदेशी की अपील के जरिए आम जनता से भारतीय वस्तुओं को अपनाने का आग्रह किया है। इसका उद्देश्य आर्थिक आत्मनिर्भरता, देशी उद्योगों व रोजगार बढ़ाना और भारत के आर्थिक स्वावलंबन की...प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधनों में वोकल फॉर लोकल और हर घर स्वदेशी की अपील के जरिए आम जनता से

भारतीय वस्तुओं को अपनाने का आग्रह किया है। इसका उद्देश्य आर्थिक आत्मनिर्भरता, देशी उद्योगों व रोजगार बढ़ाना और भारत के आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में एक मजबूत कदम उठाना है। इस अभियान के जरिए देशभर में युवाओं, महिलाओं,व्यापारियों सहित सभी वर्गों को जोडने का प्रयास किया जा रहा है। जिसमें 20,000 से अधिक आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान,1,000 से ज्यादा मेले और 500 संकल्प रथ यात्राएं आयोजित करने का भाजपा का कार्यक्रम है। भाजपा और संघ के कार्यकर्त्ता इन दिनों इस स्वदेशी अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाने में जुटे हैं। अगले तीन महीने में वे लोगों को भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करेंगे। जिससे आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए स्वदेशी व स्वावलंबन के ऐतिहासिक अभियान को फिर से स्थापित किया जा सके। इसी क्रम में पिछले दिनों एक दीवाली मेले के दौरान दक्षिण दिल्ली के महरौली और वसंत कुंज क्षेत्र के भाजपा विधायक गजेंद्र यादव ने उपस्थित जन समुदाय से स्वदेशी को अपनाने की अपील की। विडंबना देखिए कि जिस मंच से यादव पूरी गंभीरता से ये अपील कर रहे थे उसी मंच के सामने, मेले के आयोजकों ने, चीन के बने खिलौनों की दुकानें सजा रखी थीं और विदेशी कारों के दो मॉडलों को इस मेले में बिक्री के लिए रखवाया हुआ था। आम जीवन में ऐसा विरोधाभास हर जगह देखने को मिलेगा। क्योंकि पिछले चार दशकों में शहरी भारतवासी अपने दैनिक जीवन में ढेरों विदेशी उत्पाद प्रयोग करने का आदी हो चुका है। फिर भी भाजपा का हर सांसद, विधायक और कार्यकर्ता इस अभियान को उत्साह से चला रहा है। उनका ये प्रयास सही भी है क्योंकि दीपावली पर देश भर के हिंदुओं द्वारा भारी मात्रा में खरीदारी की जाती है। पिछले दो दशकों से क्रमशरू चीनी माल ने भारत के बाजारों को अपने उत्पादनों से पाट दिया है। दीवाली पर लक्ष्मी पूजन के लिए गणेश-लक्ष्मी जी के विग्रह अब चीन से ही बन कर आते हैं। पटाखे और बिजली की लडियां भी अब चीन से ही आती हैं। इसी तरह राखियां, होली के रंग, पिचकारी, जन्माष्टमी के लड्डू गोपाल व अन्य देवताओं के विग्रह भी वामपंथी चीन बना कर भेज रहा है जो भगवान के अस्तित्व को ही नकारता हैं। ये कितनी शर्म और दुर्भाग्य की बात है। इससे हमारे कारीगरों और दुकानदारों के पेट पर गहरी लात पड़ती है। उधर अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लागू की गईं बेहूदा आयात शुल्क दरों को देखकर भी हमें जागना होगा। हमें अपने उपभोग की तरीकों को बदलना होगा। इसलिए जहां तक संभव हो हम भारत में निर्मित वस्तुओं का ही प्रयोग करें। किसी भी अभियान को प्रचारित करना आसान होता है जोकि अखबारों और टी.वी. विज्ञापनों के जरिए किया जा सकता है। पर उस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि देश की जनता ने उसे किस सीमा तक आत्मसात किया। अब मोदी जी के स्वच्छ भारत अभियान को ही ले लीजिए। जितना इस अभियान का शोर मचा और प्रचार हुआ उसका 5 फीसदी भी धरातल पर नहीं उतरा। भारत के किसी भी छोटे बड़े शहर, गांव या कस्बे में चले जाइए तो आपको गंदगी के अंबार पड़े दिखाई देंगे। इसलिए इस अभियान का निकट भविष्य में भी सफल होना संभव नहीं लगता। क्योंकि जमीनी चुनौतियां ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। स्वदेशी अभियान की सफलता भी जन-जागरण, सतत निगरानी और व्यवहार परिवर्तन पर निर्भर करती है। अगर आम नागरिक इसमें सक्रिय भूमिका निभाएं तभी यह आंदोलन सफल होगा ।निरूसंदेह स्वच्छ भारत अभियान मोदी जी की एक प्रशंसनीय पहल थी। पहली बार किसी प्रधान मंत्री ने हमारे चारों ओर दिनों-दिन जमा होते जा रहे कूड़े के ढेरों की बढ़ती समस्या के निस्तारण का एक देश व्यापी अभियान छेड़ा था। उस समय बहुत से नेताओं, फिल्मी सितारों, मशहूर खिलाडियों व उद्योगपतियों तक ने हाथ में झाड़ू पकड़ कर फोटो खिंचवा कर इस अभियान का श्रीगणेश किया था। पर सोचें आज हम कहां खड़े हैं ?शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी सफाई व्यवस्था बनाना अब भी एक बड़ी चुनौती है। कचरा पृथक्करण, पुनरू उपयोग और रीसाइक्लिंग की जागरूकता में अपेक्षाकृत कमी दिखती है। कुछ जगहों पर शौचालयों के रख-रखाव, जलापूर्ति और व्यवहार परिवर्तन को लेकर समस्याएं बनी हुई हैं। इसलिए अभियान के उद्देश्य और जमीनी सच्चाई में अंतर बना हुआ है और अनेक स्थानों पर पुराने तरीकों का पालन अब भी हो रहा है ।दिल्ली हो या देश का कोई अन्य शहर यदि कहीं भी एक औचक निरीक्षण किया जाए तो स्वच्छ भारत अभियान की सफलता का पता चल जाएगा। यदि इतने बड़े स्तर पर शुरू किए गए अभियान की सफलता अगर काफी कम पाई जाती है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? निरूसंदेह स्थानीय निकाय जिम्मेदार हैं। किंतु हम सब नागरिक भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि यदि हम नागरिक किसी साफ-सुथरे मॉल या अन्य स्थान पर जाते हैं तो सभी नियमों का पालन करते हैं। कचरे को केवल कूड़ेदान में ही डालते हैं। इस तरह हम एक साफ-सुथरी जगह को साफ रखने में सहयोग अवश्य देते हैं। लेकिन ऐसा क्या कारण है कि जहां किसी नियम को सख्ती से लागू किया जाता है तो हम पूरा सहयोग देते हैं। परंतु जहां कहीं भी किसी नियम को लागू करने में एजेंसियां ढिलाई बरतती हैं या हमारे विवेक पर छोड़ देती हैं तो आम नागरिक भी उसे हल्के में ले लेता है। आश्चर्य की बात तो यह है कि हम सब जानते हैं कि लगातार कचरे के ढेरों का, हमारे परिवेश में चारों तरफ बढ़ते जाना, हमारे व हमारी आने वाली पीढियों के स्वास्थ्य के लिए कितना खतरनाक है? फिर भी हम सब निष्क्रिय बैठे हैं। हमें जागना होगा और इस समस्या से निपटने के लिए सक्रिय होना होगा। इसलिए नारे चाहे स्वच्छता के लगें या स्वदेशी के, जनता की भागीदारी के बिना, नारे-नारे ही रहेंगे।

अमित शाह हैं संकटमोचन, संगठनशिल्पी और लौहपुरुष

अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय को मात्र एक विभाग नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण का आंदोलन बना दिया। उनकी दृष्टि में सहकारिता केवल आर्थिक संरचना नहीं, बल्कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का व्यवहारिक दर्शन है। भारत की राजनीति में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो केवल पदों से नहीं, अपने कर्म, दृष्टि, दृढ़ता, संकल्प और राष्ट्रभावना से पहचान पाते हैं। अमित अनिलचंद्र शाह ऐसा ही एक नाम है-संघर्षों में तपे, संगठन के शिल्पी और राष्ट्र की सुरक्षा एवं एकता के प्रहरी। एक प्रभावशाली और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में, अमित शाह का भारतीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान है। गृह एवं सहकारिता मंत्री के रूप में उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक एकता और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में जो क्रांतिकारी एवं युगांतकारी कार्य किए हैं, वे उन्हें हमारे समय का लौहपुरुष सिद्ध करते हैं-सरदार वल्लभभाई पटेल की परंपरा के सच्चे उत्तराधिकारी। निश्चित ही शाह एक युगांतरकारी एवं युग-निमार्ता लोकनायक हैं। उन्हें अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी सहयोगी, कुशल शासक और पार्टी के लिए एक प्रमुख चुनावी रणनीतिकार माना जाता है। एक किशोर के रूप में, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हो गए। यहीं से उनके राजनीतिक सफर की शुरूआत हुई। 1987 में वह भाजपा के युवा मोर्चा के सदस्य बने। गुजरात में नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान, अमित शाह एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाले, जिनमें गृह, कानून और न्याय और परिवहन शामिल थे। अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय को मात्र एक विभाग नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण का आंदोलन बना दिया। उनकी दृष्टि में सहकारिता केवल आर्थिक संरचना नहीं, बल्कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का व्यवहारिक दर्शन है। उन्होंने शक्कर कारखानों से लेकर डेयरी, कृषि-उद्योग, बीज उत्पादन और विपणन तक सहकारिता को एक नई गति दी। देश के पहले राष्ट्रीय सहकारिता नीति मसौदे की तैयारी, पीएसी के डिजिटलीकरण और 200,000 प्राथमिक कृषि साख समितियों को मल्टी-डायमेंशनल मॉडल में बदलने की दिशा में उनका काम ऐतिहासिक है। उनके नेतृत्व में सहकारिता अब आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बन चुकी है, जहाँ किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि साझेदार हैं। अमित शाह ने सहकारिता को नई भाषा दी-ॣसहकार से समृद्धिॡ। भारत के भीतरी हिस्सों में दशकों से नक्सलवाद ने भय, असुरक्षा और विकासहीनता का माहौल बनाया था। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने समग्र रणनीति के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निर्णायक कार्रवाई की। कानून-व्यवस्था, खुफिया सूचना और स्थानीय विकास के त्रिस्तरीय ढांचे पर आधारित इस नीति ने नक्सलवाद को जड़ों से हिला दिया। आज भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नक्सल क्षेत्र शांति के मार्ग पर लौट रहे हैं, निकट भविष्य में भारत नक्सल मुक्त राष्ट्र बन जायेगा, यह अमित शाह की सूझबूझ, संकल्प और दृढ़ता का परिणाम है। उनका विश्वास रहा-गोलियों से नहीं, विकास और संवाद से आतंक मिटाया जा सकता है। उनकी अलग कार्यशैली की झलक अध्यक्ष बनने के बाद से ही पार्टी को दिखने लगी थी। अमित शाह का नाम जम्मू-कश्मीर के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनकी रणनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 का हटाया जाना केवल एक संवैधानिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अखंडता का संकल्प था। यह उस विभाजनकारी मानसिकता पर अंतिम प्रहार था जिसने वर्षों तक कश्मीर को अलगाव की आग में झोंक रखा था। आज घाटी में तिरंगा गर्व से लहराता है, पर्यटन और निवेश के नए द्वार खुल रहे हैं, और युवाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है-यह अमित शाह की निर्भीक राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने संसद में कहा था-कश्मीर भारत का मुकुट है, और जब तक इसकी हर घाटी में शांति और विकास नहीं आता, तब तक हमारा प्रयास अधूरा रहेगा ॥ॡ शाह की कार्यशैली में सबसे अहम है कि किसी चीज को पहले से भांपने की। कश्मीर से 370 हटाने का मामला हो या फिर किसी चुनावी रणनीति की तैयारी, उन्हें अंदाजा हो जाता है कि किस मोहरे को कहां बिठाना है। इसी का असर है कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अब तक कश्मीर में शांति एवं वहां शांतिपूर्ण चुनाव का होना है तो अयोध्या जैसे सदियों के विवाद का अंत शांतिपूर्ण तरीके से हो जाना है। गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाई दी। आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध कड़े कानून, एनआईए की शक्ति में वृद्धि, सीमा सुरक्षा में तकनीकी नवाचार और पुलिस सुधारों की नई पहल-इन सबने भारत की आंतरिक मजबूती को सुदृढ़ किया है। उन्होंने शून्य सहनशीलता नीति को व्यवहार में उतारा। चाहे दिल्ली दंगे हों या सीमा पार आतंकवाद की चुनौती-हर परिस्थिति में उनका निर्णय तेज, संतुलित और राष्ट्रहित में रहा। उनके कार्यकाल में भारत में आंतरिक सुरक्षा का सबसे स्थिर दौर देखा जा रहा है, जहाँ आतंक, नक्सलवाद और अलगाववाद तीनों पर नियंत्रण स्थापित हुआ है। राजनीतिक दृष्टि से अमित शाह को मोदी के हनुमान कहा जाता है, क्योंकि वे न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे विश्वसनीय सहयोगी हैं, बल्कि उनकी दृष्टि को व्यवहार में उतारने वाले कर्मयोद्धा भी हैं। 2014 से 2020 तक, उन्होंने भाजपा के 10वें अध्यक्ष के रूप पार्टी को 70 से अधिक देशों के बराबर सदस्य संख्या वाला विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनाया। 2014 और 2019 के चुनावों में उनकी रणनीति, संगठन और जनसंपर्क ने भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाई।

भारत में खिलाड़ियों का प्रदर्शन मायने रखता है, सरनेम नहीं

भारत के क्रिकेट इतिहास में मुश्ताक अली, अब्बास अली बेग, सैयद किबार्नी, मोहम्मद अजहरुद्दीन, वसीम जाफर, मोहम्मद कैफ, इरफान पठान, यूसुफ पठान, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज जैसे नाम बताते हैं कि मुस्लिम खिलाड़ियों ने हमेशा टीम इंडिया की प्रतिष्ठा को ऊंचा किया है। जब खिलाड़ी मैदान पर उतरते हैं तो उनका धर्म नहीं, बल्कि प्रदर्शन की कसौटी मायने रखती है। विडंबना यह है कि कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने क्रिकेट टीम के चयन में सांप्रदायिकता और धर्म को ढूंढने की कोशिश की है। उन्होंने इंडिया-ए टीम के सिलेक्शन को लेकर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या सरफराज खान को उनका सरनेम होने की वजह से टीम से बाहर रखा गया? डॉ. शमा मोहम्मद के बयान ने न केवल क्रिकेट, बल्कि राजनीति और समाज की परतों में नई हलचल पैदा कर दी। दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) एक स्वायत्त संस्था है, जो किसी राजनीतिक दल के अधीन नहीं है। वर्तमान चयन समिति में पूर्व क्रिकेटर अजीत अगरकर (मुख्य चयनकर्ता), एस.एस. दास, अजय रात्रा, सुब्रोतो बनर्जी और श्रीधरन शरथ शामिल हैं। इन सभी को उनके खेल अनुभव, योगदान और तकनीकी समझ के आधार पर चुना गया है। चयन का आधार केवल रन, विकेट, फिटनेस और टीम बैलेंस है। धर्म, जाति या नाम जैसे तत्वों की भूमिका नहीं होती। भारत के क्रिकेट इतिहास में मुश्ताक अली, अब्बास अली बेग, सैयद किबार्नी, मोहम्मद अजहरुद्दीन, वसीम जाफर, मोहम्मद कैफ, इरफान पठान, यूसुफ पठान, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज जैसे नाम बताते हैं कि मुस्लिम खिलाड़ियों ने हमेशा टीम इंडिया की प्रतिष्ठा को ऊंचा किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने खेल को राष्ट्र निर्माण का साधन मानते हुए खेलो इंडिया, टारगेट ओलंपिक पोडियम जैसी योजनाओं की शुरूआत की। सरकार का जोर प्रतिभा आधारित चयन और खेल संरचना के विस्तार पर रहा है। इन योजनाओं में मुस्लिम खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर किसी स्तर पर कोई आधिकारिक भेदभाव का प्रमाण नहीं है। वर्ष 2021 में जब पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप मैच में मोहम्मद शमी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था, तब खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन कर उनका मनोबल बढ़ाया था। यह उदाहरण बताता है कि सरकार ने कभी भी धर्म आधारित विभाजन को प्रोत्साहित नहीं किया, बल्कि एकता और समर्थन का संदेश दिया। डॉ. शमा मोहम्मद के आरोप को केवल सांप्रदायिक बयान कहकर खारिज करना सही नहीं होगा। उनका सवाल एक सामाजिक सोच की झलक है कि क्या भारत का माहौल, खासकर सोशल मीडिया की विभाजनकारी प्रवृत्तियां, खेल जैसे निष्पक्ष क्षेत्र को भी प्रभावित कर रही हैं? यह सवाल वाजिब है, क्योंकि जब एक खिलाड़ी को उसकी हार या प्रदर्शन के बाद धर्म के नाम पर ट्रोल किया जाता है तो यह सामाजिक विकृति का संकेत है, लेकिन यह भी सच है कि टीम चयन में धर्म का प्रभाव नहीं, बल्कि जनता की प्रतिक्रियाओं में सामाजिक ध्रुवीकरण दिखता है। यह फर्क समझना जरूरी है। सरकार या बीसीसीआई नहीं, बल्कि समाज की कुछ आवाजें खेल को धर्म के चश्मे से देखने लगी हैं। वर्तमान भारतीय क्रिकेट टीम में मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी दो प्रमुख मुस्लिम खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया है। घरेलू क्रिकेट में सरफराज खान, राशिद दर, मोहम्मद मोहसिन, सलमान नजीर जैसे युवा लगातार प्रदर्शन से चयन की कतार में हैं। महिला क्रिकेट में सैयदा खदीजा, इशरत फातिमा जैसी युवा खिलाड़ी घरेलू सर्किट में अपना नाम बना रही हैं। क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी मुस्लिम खिलाड़ियों का योगदान भारत के खेल इतिहास का अभिन्न हिस्सा रहा है। हॉकी में जफर इकबाल, मोहम्मद शाहिद, सैयद मुस्ताक अली जैसे नाम भारत की खेल विरासत का गौरव हैं। वर्तमान में भारतीय पुरुष हॉकी टीम में मोहम्मद रईद, अब्दुल रहमान, सैयद अनवर जैसी नई प्रतिभाएं उभर रही हैं। महिला हॉकी में भी नाजिया खान, सायरा बेग जैसी खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बना रही हैं। फुटबॉल में मोहम्मद राशिद, फैय्याज अहमद, मोहम्मद रफी जैसे खिलाड़ी इंडियन सुपर लीग में दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं। केरल ब्लास्टर्स और मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब जैसे ऐतिहासिक क्लबों ने दशकों से मुस्लिम खिलाड़ियों को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। कुश्ती में नसीर अहमद और रहीम खान जैसे पहलवानों ने अपने संघर्ष और समर्पण से पहचान बनाई है, जबकि हाल में एशियन गेम्स में अब्दुल रहमान ने ग्रीको-रोमन वर्ग में पदक जीतकर नई उम्मीद जगाई। बॉक्सिंग में मोहम्मद हुसामुद्दीन ने वर्ष 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतकर यह सिद्ध किया कि मुस्लिम युवा भी ओलंपिक और विश्वस्तरीय मुकाबलों में देश का नाम रोशन कर सकते हैं। टेनिस में सानिया मिर्जा भारतीय खेल इतिहास की प्रेरक शख्सियत हैं। उन्होंने न केवल ग्रैंड स्लैम जीतकर देश का नाम ऊंचा किया, बल्कि यह भी दिखाया कि एक भारतीय मुस्लिम महिला खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर कैसे चमक सकती है?

आत्मघात की नादानी

यह शर्मसार करने वाली बात है कि दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में हो रही है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। दिल्ली में एक्यूआई का स्तर पौने चार सौ के खतरनाक स्तर तक पहुंच जाना कई इंजनों वाली सरकारों और समाज की सामूहिक विफलता को ही दशार्ता है। बताते हैं कि दिल्ली की आबोहवा पिछले पांच सालों के सबसे खतरनाक स्तर तक जा पहुंची है। मजबूरी की स्थिति में दिल्ली सरकार को ग्रैप-2 की सख्त नीतियां लागू करनी पड़ी हैं। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दशार्ता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरूआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है।

बहरहाल, कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि बच्चों और बुजुर्गों पर इस संकट का कितना नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा होगा। देश में लाखों लोग श्वास संबंधी रोगों के कारण जीवन गंवा रहे हैं। सवाल यह है कि इस संकट को दूर करने के लिए, जो ग्रैप-2 सिस्टम लागू किया जाता है, क्या उसे इस संकट के हर साल आने की स्थिति को देखते हुए पहले से नहीं लागू किया जा सकता? धूल को उड़ने से रोकने और हवा में प्रदूषण कम करने के लिए पानी का छिड़काव क्या शेष महीनों में नहीं किया जाता? अब ट्रैफिक को नियंत्रित करने की बात की जा रही है ताकि सिग्नल पर गाड़ियां ज्यादा देर खड़ी न हों, जिससे प्रदूषण अधिक नहीं हो। आखिर क्यों हम सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त नहीं करते ताकि सड़कों पर निजी वाहनों की संख्या को कम किया जा सके? कहा जा रहा है कि इलेक्ट्रिक वाहन भी प्रदूषण की दृष्टि से निरापद नहीं हैं। सीएनजी गाड़ियों को प्रोत्साहन को लेकर भी बड़े नीतिगत सुधार नहीं किए जा सके हैं। इसके बावजूद, सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जब तक लोगों को यह अहसास नहीं होगा कि त्योहार के नाम पर जमकर जहरीले पटाखे छुड़ाना एक आत्मघाती कदम है, तब तक कोर्ट और सरकार के प्रयास विफल ही साबित होंगे। इसके लिए देश के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों को साझी पहल करनी होगी। यह संकट सिर्फ दिल्ली या एनसीआर का नहीं है, मुंबई, कोलकाता आदि अनेक महानगरों के घातक प्रदूषण की चपेट में आने की खबरें हैं।

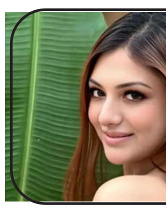

दिवाली पर खुशी मुखर्जी का बीच सड़क ड्रामा, उठा-उठाकर फेंके दुकानदारों के पटाखे तो एक व्यक्ति बोला-ये मार खाकर जाएगी

टीवी और सोशल मीडिया की पॉपुलर एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। अक्सर अपने बोल्ड अंदाज और बयानों के लिए सुर्खियों में रहने वाली खुशी इस बार अपने गुस्से भरे व्यवहार की वजह से चर्चा में हैं। दिवाली के मौके पर उन्होंने बीच सड़क पर हंगामा कर दिया, जिससे आसपास काफी भीड़ जमा हो गई। अब उनका ये वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और पुलिस भी इस मामले में बीच-बचाव करती नजर आई। यह घटना दिवाली के दिन की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में खुशी मुखर्जी पिंक साड़ी में नजर आ रही हैं। वह एक पटाखों की दुकान के पास खड़ी होकर पटाखों के डिब्बे उठा-उठाकर सड़क पर फेंकती नजर आ रही हैं और कहती हैं- सबकी दिवाली बननी चाहिए। उनकी इस हरकत से वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। तभी एक व्यक्ति ने गुस्से में आकर कहा, ह्ये बहुत ज्यादा कर रही है, इसको बोल दो नहीं तो मार खाकर जाएगी।

दिवाली पर खुशी मुखर्जी का बीच सड़क ड्रामा, उठा-उठाकर फेंके दुकानदारों के पटाखे तो एक व्यक्ति बोला-ये मार खाकर जाएगी

टीवी और सोशल मीडिया की पॉपुलर एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। अक्सर अपने बोल्ड अंदाज और बयानों के लिए सुर्खियों में रहने वाली खुशी इस बार अपने गुस्से भरे व्यवहार की वजह से चर्चा में हैं। दिवाली के मौके पर उन्होंने बीच सड़क पर हंगामा कर दिया, जिससे आसपास काफी भीड़ जमा हो गई। अब उनका ये वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और पुलिस भी इस मामले में बीच-बचाव करती नजर आई। यह घटना दिवाली के दिन की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में खुशी मुखर्जी पिंक साड़ी में नजर आ रही हैं। वह एक पटाखों की दुकान के पास खड़ी होकर पटाखों के डिब्बे उठा-उठाकर सड़क पर फेंकती नजर आ रही हैं और कहती हैं- सबकी दिवाली बननी चाहिए। उनकी इस हरकत से वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। तभी एक व्यक्ति ने गुस्से में आकर कहा, ह्ये बहुत ज्यादा कर रही है, इसको बोल दो नहीं तो मार खाकर जाएगी। उस व्यक्ति की धमकी के बावजूद खुशी और ज्यादा भड़क गईं। खुशी ने बाद में बताया कि उनका गुस्सा किसी छोटी सी सड़क दुर्घटना के कारण फूटा। किसी ने उनकी गाड़ी टक्कर मार दी थी, जिससे नाराज होकर उन्होंने पास की पटाखों की दुकान पर हंगामा शुरू कर दिया।गुस्से में आगबबूला हुईं खुशी ने दुकान पर रखे पटाखों के डिब्बे फेंककर खराब कर दिए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें शांत कराने की कोशिश की, लेकिन खुशी मुखर्जी पुलिस से भी उलझती हुईं नजर आईं। उन्होंने पुलिसकर्मी से सवाल किया कृ पटाखे बेचना इलीगल नहीं है? पुलिस के बार-बार समझाने पर भी खुशी ने किसी की बात नहीं मानी और कई फुलझड़ियों के पैकेट सड़क पर बिखेर दिए, जिससे दुकानदारों का नुकसान हो गया। यह पूरा वाकया कैमरे में कैद हो गया और अब सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। कई यूजर्स ने खुशी के इस व्यवहार की निंदा की है। लोगों का कहना है कि दिवाली जैसे त्यौहार के दिन इस तरह का तमाशा करना शर्मनाक है। खुशी मुखर्जी टीवी और वेब सीरीज की जानी-मानी अदाकारा हैं। वह बालवीर रिटर्न्स, सपनों की चहल-पहल और कई बोल्ड म्यूजिक वीडियोज में नजर आ चुकी हैं। सोशल मीडिया पर उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग है, लेकिन अक्सर वह अपने विवादित बयानों या बोल्ड वीडियो के चलते खबरों में रहती हैं।

फैन्स को आशिष चंचलानी का तोहफा, अनाउंस की उनके निर्देशन में बनी पहली सीरीज एकाकी की ट्रेलर रिलीज डेट

भारत के सबसे बड़े डिजिटल स्टार और अब फिल्ममेकर बने आशिष चंचलानी ने अपने बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज एकाकी के ट्रेलर की रिलीज डेट की घोषणा की है। यह घोषणा उन्होंने एक रहस्यमयी वीडियो के जरिए की, जिसने आने वाले समय के लिए सही माहौल तैयार कर दिया है। वीडियो की शुरूआत सूखी, विशाल जमीन के दृश्यों से होती है, जिसके बाद आशिष चंचलानी और उनकी टीम के सदस्यों को एक हल्की रोशनी वाले कमरे में दिखाया गया है जो रहस्य का एहसास कराता है। इसके बाद दृश्य बदलकर एक नाटकीय शाम के आसमान के नीचे खड़ी टीम को दिखाता है, जहाँ लाल रंग की झलक और गहरी पृष्ठभूमि संगीत से सस्पेंस और बढ़ जाता है। वीडियो के अंत में ट्रेलर की तारीख का खुलासा होता है ह्यह छोटा लेकिन प्रभावशाली वीडियो दर्शकों में जबरदस्त जिज्ञासा पैदा कर रहा है, और सबको आशिष चंचलानी की लंबे फॉर्मेट की कहानी कहने की पहली कोशिश की झलक देखने के लिए उत्सुक कर रहा है। एकाकी आशिष के निर्देशन और स्वयं-निर्मित डेब्यू का प्रतीक है एक थ्रिलर सीरीज जो हॉरर और कॉमेडी का अनोखा मिश्रण पेश करेगी। यह वही स्टाइल है जिसके लिए आशिष जाने जाते हैं, लेकिन इस बार एक नए ट्विस्ट के साथ। पहले जारी किए गए पोस्टर में आशिष एक लालटेन पकड़े अंधेरे में खड़े हैं, जहाँ चारों ओर भूतिया हाथ दिखते हैं जिसने पहले ही सोशल मीडिया पर रोमांच और चर्चा का माहौल बना दिया है।एकाकी के जरिए आशिष अपने निर्देशन, लेखन, अभिनय और निर्माण चारों भूमिकाओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखा रहे हैं। यह सीरीज उनके अपने बैनर ब्टै जनकपवे के तहत बनाई गई है। इसमें आशिष के साथ आकाश दोडेजा, हर्ष राणे, सिद्धांत सरफरे, रोहित सधवानी, शशांक शेखर और ग्रीशिम नवानी नजर आएंगे। यह सीरीज आशिष चंचलानी के यूट्यूब चौनल पर रिलीज की जाएगी।हास्य, जुड़ाव और तीखी कहानी कहने की अपनी कला से भारतीय डिजिटल मनोरंजन को नई दिशा देने वाले आशिष अब लंबे फॉर्मेट की कंटेंट की दुनिया में कदम रख रहे हैं। जैसे-जैसे 27 अक्टूबर नजदीक आ रहा है, एकाकी एक ऐसा प्रोजेक्ट बनता जा रहा है ।

मायानगरी के जन-जाल से दूर केदारनाथ धाम पहुंची सारा अली खान

पहाड़ों के बीच भोलेबाबा की भक्ति में रमीं दिखीं एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान का केदारनाथ से गहरा नाता रहा है। यह वही जगह है, जहां से उनके फिल्मी करियर की शुरूआत हुई थी। ऐसे में वह अक्सर मायानगरी के जन-जाल से भोलेबाबा की शरण में जाती रहती हैं। इसी बीच, एक बार उन्होंने उत्तराखंड स्थित केदारनाथ धाम के दर्शन किए। सारा ने अपनी इस यात्रा की कई खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर की हैं, जिन्हें देखकर उनके फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। फोटोज में सारा अली खान को मंदिर के बाहर पूजा करते , सूर्यास्त का दृश्य निहारते हुए और बर्फ से ढकी चोटियों के बीच मन को शांत करते हुए देखा जा सकता है। उनके चेहरे की चमक और संतोष इस बात का प्रमाण है कि यह यात्रा उनके लिए सिर्फ एक धार्मिक अनुभव नहीं, बल्कि आत्मिक शांति पाने का माध्यम भी है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस सर्दियों के कपड़े पहने अलग-अलग खूबसूरत पोज देती नजर आ रही हैं। अपनी यात्रा की तस्वीरें साझा करते हुए सारा ने लिखा-जय श्री केदार. दुनिया की एकमात्र ऐसी जगह जो मुझे हमेशा अपनापन देती है, फिर भी हर बार मुझे विस्मय से भर देती है। बस कृतज्ञ हूं... जो कुछ भी मेरे पास है और जो मैं हूं, वह सब इसी कृपा का परिणाम है। सारा अली खान की इन तस्वीरों पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट कर उनकी तारीफ भी कर रहे हैं। बता दें, सारा अली खान की 2018 की डेब्यू फिल्म केदारनाथ इसी तीर्थ स्थल पर आधारित थी। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मुख्य भूमिका में थे। वहीं, हाल ही में सारा को फिल्म मेट्रो... इन डायनो में देखा गया था, जिसमें उनके साथ अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल, आदित्य रॉय कपूर और फातिमा सना शेख जैसे कलाकार नजर आए थे। अब सारा जल्द ही पति पत्नी और वो 2 में आयुष्मान खुराना के साथ नजर आने वाली हैं।

एक्स पति संजय की मौत के बाद करिश्मा कपूर ने बेहद सादगी से मनाई दिवाली, करीना ने बहन को बताया सबसे मजबूत लड़की

बॉलीवुड इंडस्ट्री में जहां इस बार दिवाली का खूब जश्न देखने को मिला। वहीं, एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने इस साल दिवाली का त्योहार बेहद सादगी से सेलिब्रेट किया। उनके लिए यह फेस्टिवल उनके लिए भावनात्मक रूप से खास रहा, क्योंकि यह उनके एक्स पति संजय कपूर के निधन के बाद पहली दिवाली थी। हाल ही में जब एक्ट्रेस ने अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर अपनी दिवाली की झलक शेयर की तो हर कोई उनकी मजबूती और सादगी की तारीफ करता नजर आया। करिश्मा कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह पिंक कलर के पारंपरिक सूट में नजर आ रही हैं। तस्वीर में करिश्मा हाथों में दीया थामे मुस्कुरा रही हैं। उनके चेहरे पर शांति और आत्मविश्वास झलक रहा है। पोस्ट के कैप्शन में एक्ट्रेस ने सिर्फ एक शब्द लिखा- सकारात्मकता पोस्ट पर करिश्मा की छोटी बहन और बॉलीवुड स्टार करीना कपूर खान ने प्यार भरी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कमेंट में

लिखा-दुनिया की सबसे मजबूत लड़की, मेरी बहन। तुम्हारे लिए सिर्फ सकारात्मकता, मेरे सैम और किउ। इसके अलावा करीना की ननद सबा अली खान पटौदी ने भी पोस्ट पर कमेंट किया। फैंस भी कमेंट सेक्शन में करिश्मा की तारीफ करते नजर आए।करिश्मा कपूर ने 1990 के दशक में बॉलीवुड में शानदार करियर बनाया और वे उस दौर की सबसे सफल एक्ट्रेसेस में से एक रहीं। साल 1994 उनके करियर का स्वर्णिम वर्ष था, जब उन्होंने लगभग 10 फिल्में कीं। इसके बाद उन्होंने 2006 में मेरे जीवन साथी में अभिनय किया, जिसके बाद उन्होंने फिल्मों से कुछ दूरी बना ली। फिर 2012 में एक्ट्रेस ने फिल्म डेंजरस इश्क से बड़े पर्दे पर वापसी की, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा सकी। फिर 2024 में करिश्मा मर्डर मुबारक में नजर आईं, जिसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना हुई। इस बीच वे ओम शांति ओम (2007) जैसी फिल्मों में कैमियो रोल में भी दिखाई दीं और कुछ वेब प्रोजेक्ट्स का हिस्सा भी बनीं।

सुसाइड मामले में रिया को मिली क्लीन चिट पर सुशांत सिंह की फैमिली ने जताई आपत्ति, कहा-ये एक घटिया और अधूरी जांच

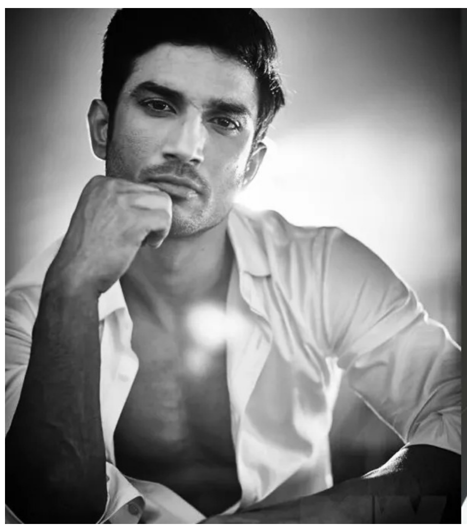

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को इस साल मार्च में सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड मामले में क्लीन चिट मिल गई थी। सीबीआई ने यह कहते हुए एक्ट्रेस को क्लीन चिट दे दी थी कि सुशांत के मामले में उनका कोई हस्तक्षेप नहीं मिला है और वह निर्दोष हैं। वहीं, अब हाल ही में रिया को क्लिन चिट मिलने पर दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह की फैमिली ने आपत्ति जताई है और उन्होंने इसे अदालत में चुनौती देने की तैयारी कर ली है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुशांत सिंह राजपूत का परिवार सीबीआई की जांच से बेहद असंतुष्ट है। उनका कहना है कि यह रिपोर्ट अधूरी और पक्षपातपूर्ण है। परिवार की ओर से उनके वकील वरुण सिंह ने कहा यह जांच एक दिखावे के अलावा कुछ नहीं है। अगर सीबीआई सच में सच्चाई सामने लाना चाहती थी, तो उसे अंतिम रिपोर्ट के साथ सभी जरूरी दस्तावेज अदालत में जमा करने चाहिए थे- जैसे चौट रिकॉर्ड्स, कॉल डिटेल्स, तकनीकी साक्ष्य, गवाहों के बयान और मेडिकल रिपोर्ट्स। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। वरुण सिंह ने आगे कहा कि सुशांत के परिवार की तरफ से जल्द ही इस क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ विरोध याचिका दायर की जाएगी। उन्होंने इसे ह्एक घटिया और अधूरी जांचह्व करार दिया। सीबीआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि रिया चक्रवर्ती के खिलाफ किसी भी तरह का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सबूत नहीं मिला है, जिससे यह साबित हो सके कि उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत को आत्महत्या के लिए उकसाया, धमकाया या आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाया। सीबीआई ने यह निष्कर्ष पांच साल की लंबी जांच के बाद निकाला, जिसमें कई गवाहों से पूछताछ, फोरेंसिक रिपोर्ट, डिजिटल डेटा और मेडिकल रिकॉर्ड्स की जांच शामिल थी। मालूम हो, 14 जून 2020 को एक्टर सुशांत सिंह राजपूत का शव मुंबई के बांद्रा स्थित उनके फ्लैट में मिला था।

'घर जैसा महसूस होता है', सोनाक्षी सिन्हा ने पति जहीर के साथ शेयर किए दिल छू लेने वाले पल

सोनाक्षी सिन्हा ने अपने पति जहीर इकबाल के साथ कुछ खूबसूरत पल साझा किए। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिन पर सेलेब्स ने जमकर प्यार लुटाया।

सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जटाधरा' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। वहीं आज सोनाक्षी ने अपने परिवार और दोस्तों संग कई तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कीं, साथ ही इस पोस्ट को टैग दिया 'घर जैसा महसूस होता है'..... सोनाक्षी का पोस्ट सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में वह जहीर को गले लगाती और उनके साथ हंसी-मजाक करती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में दोनों का प्यार और अपनापन साफ झलकता है। सोनाक्षी ने पोस्ट के साथ लिखा, 'घर जैसा महसूस हो रहा है।' ये तस्वीरों

परिवार के साथ एक छोटे से गेट टुगेदर की हैं। सेलेब्स के कमेंट्स सोनाक्षी सिन्हा की इस पोस्ट पर कई सेलेब्स ने प्यार बरसाया है। विनीत कुमार सिंह, पत्रलेखा, शिल्पा शिरोडकर रंजीत, प्राची मिश्रा राघवेंद्र ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। एक फैन ने लिखा, 'रब ने बनादी जोड़ी', एक और फैन ने लिखा, 'आप दोनो को साथ देख के बहुत अच्छा लगता है..जोड़ी बहुत प्यारी है आपकी', एक और फैन ने लिखा, 'यह गर्मजोशी हमेशा आप दोनों के साथ बनी रहे।' सोनाक्षी का हालिया पोस्ट कुछ दिन पहले, सोनाक्षी ने जहीर के साथ स्टाइलिश तस्वीरें साझा कर फैंस को दिवाली की शुभकामनाएं दी थीं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, 'जिंदगी में रोशनी लाओ, प्यार से रहो, दिवाली मनाओ।'

बलूचिस्तान में अलग-अलग घटनाओं में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत, 11 आतंकवादी भी हुए ढेर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में पिछले 24 घंटों में अलग-अलग घटनाओं में दो पुलिसकर्मियों समेत तीन सुरक्षाकर्मी और 11 आतंकवादी मारे गए। नोश्की में गश्त के दौरान अज्ञात हमलावरों ने दो पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में, केच इलाके में एक बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से एक सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई। सुरक्षा बलों ने चगाई और सिबी जिलों में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए अभियान में 11 आतंकियों को ढेर कर दिया।

भारत-ओमान के सैन्य रिश्ते और हुए मजबूत

सेना प्रमुखों की तीसरी बैठक नई दिल्ली में संपन्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस अभ्यास का समापन फ्लैग सेरेमनी, उपकरण प्रदर्शनीऔर दोनों देशों के सैनिकों के बीच सौहार्दपूर्ण संवादके साथ हुआ। इस पूरे आयोजन ने न केवल भारत और ओमान के बीच सैन्य रिश्तों को नई मजबूती दी, बल्कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया। भारतीय सेना और ओमान की रॉयल आर्मी के बीच रक्षा सहयोग और मजबूत हुआ है। नई दिल्ली में 22 से 23 अक्तूबर 2025 तक दोनों देशों के बीच तीसरी आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ टॉक्स (एएएसटी) आयोजित हुई। भारतीय सेना के जन सूचना निदेशालय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'भारतीय सेना ने रॉयल आर्मी ऑफ ओमान के साथ रक्षा सहयोग को और मजबूत किया है। दोनों सेनाओं के बीच तीसरी आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ टॉक्स नई दिल्ली में 22-23 अक्तूबर को आयोजित हुई।' भारत-ओमान के बीच चर्चा का मुख्य बिंदु इस बैठक के दौरान दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को और गहरा करने के उपायों पर चर्चा की। इसमें शामिल थे।

इसमें संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विस्तार, विशेष क्षेत्रों में विशेषज्ञों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण सहयोग को बढ़ाना और क्षमता विकास और सैन्य शिक्षा में नई साझेदारी के अवसर तलाशना शामिल हैं। यह सभी पहले डिफेंस कोऑपरेशन प्लान 2026 के तहत आगे बढ़ाई जाएंगी। एडीजी पीआई ने कहा कि यह बैठक 'सैन्य कूटनीतिट और 'भारत-ओमान रक्षा सहयोग' को नई दिशा देने वाला कदम है। यह सहयोग पिछले वर्ष सितंबर 2024 में आयोजित भारत-ओमान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'अल नजाह' की सफलता पर आधारित है, जो ओमान के रबकूट ट्रेनिंग एरिया में हुआ था। उस अभ्यास में दोनों सेनाओं ने बेहतरीन तालमेल और संयुक्त ऑपरेशनल क्षमता दिखाई थी। अब इस वर्ष की स्टाफ टॉक्स के जरिए उस सहयोग को संस्थागत रूप देने और आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। वार्ता में कौन से अधिकारी हुए शामिल? इस वार्ता में दोनों देशों के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। भारत की ओर से अमित नारंग, भारत के ओमान में राजदूत, कैप्टन हरीश श्रीनिवासन, भारतीय रक्षा अताशे शामिल हुए। वहीं ओमान की ओर से ब्रिगेडियर जनरल अब्दुलकाधिम बिन इब्राहिम अल-अजमी, कमांडर, 11वीं इन्फेंट्री ब्रिगेड और लेफ्टिनेंट कर्नल मसूद मुबारक अल-गाफरी, कमांडिंग ऑफिसर, फ्रंटियर फोर्स; ने शिरकत दोनों सेनाओं ने किया संयुक्त लाइव-फायर डेमो इस वार्ता के बाद दोनों देशों की सेनाओं ने एक संयुक्त लाइव-फायर डेमो किया, जिसमें लगभग 60 सैनिकों ने हिस्सा लिया। इस अभ्यास में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन जैसी परिस्थितियों में मिलकर कार्रवाई का प्रदर्शन किया गया। इसमें रेगिस्तानी इलाके में एक गांव की घेराबंदी और सफाई की सिम्युलेटेड कार्रवाई, घर-घर जाकर बंधक मुक्त कराने की ड्रिल और दोनों सेनाओं के स्नाइपर्सद्वारा सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन शामिल है। आधुनिक भारतीय उपकरणों का उपयोग इस अभ्यास की एक खासियत थी कि इसमें भारतीय निर्मित उन्नत उपकरणों का इस्तेमाल किया गया, जैसे - ड्रोन, रियल-टाइम निगरानी के लिए, बैलिस्टिक शील्ड, कमरे में घुसकर कार्रवाई और बंधक सुरक्षा के लिए। इन तकनीकों ने दोनों देशों की सेनाओं की आधुनिक क्षमता और तैयारी को और मजबूत किया।

बलूचिस्तान में अलग-अलग घटनाओं में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत, 11 आतंकवादी भी हुए ढेर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में पिछले 24 घंटों में अलग-अलग घटनाओं में दो पुलिसकर्मियों समेत तीन सुरक्षाकर्मी और 11 आतंकवादी मारे गए। नोश्की में गश्त के दौरान अज्ञात हमलावरों ने दो पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में, केच इलाके में एक बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से एक सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई। सुरक्षा बलों ने चगाई और सिबी जिलों में खुफिया जानकारी

के आधार पर चलाए अभियान में 11 आतंकियों को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सैनिकों ने चगाई के दलबंदिन में एक पहाड़ी इलाके की घेराबंदी कर दी। संदिग्धों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद लगभग एक घंटे तक भीषण गोलीबारी हुई और छह आतंकवादी मारे गए। सिबी में आतंकवाद निरोधी दस्ते ने एक परिसर पर छापा मारा जहां एक प्रतिबंधित संगठन के सदस्य छिपे हुए थे। इस दौरान दोनों पक्षों में जबरदस्त फायरिंग हुई। जिसमें पांच आतंकवादी मारे गए और तीन अन्य गिरफ्तार कर लिए गए। दोनों जगहों से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और संचार उपकरण जब्त किए गए। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए लोग सुरक्षा बलों, पुलिस और लेवी कर्मियों पर पहले भी हुए हमलों में शामिल थे। उन्होंने बताया कि सभी शवों को पहचान के लिए पास के अस्पतालों में ले जाया गया है।

'5000 रूसी एयर डिफेंस मिसाइलें तैनात कीं'

अमेरिका से तनाव के बीच वेनेजुएला के राष्ट्रपति का दावा

काराकास (एजेंसी)। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इसी बीच राष्ट्रपति मादुरो ने देश में 5,000 से अधिक रूस निर्मित एयर डिफेंस मिसाइलें तैनात करने का दावा किया। वहीं, अमेरिका कैरिबियन में 4,500 सैनिकों के साथ सैन्य दबाव बढ़ा रहा है। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच इन दिनों तनाव बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि देश में रूस से बने 5,000 से अधिक एयर डिफेंस मिसाइलें तैनात की गई हैं। ये मिसाइलें खास तौर पर महत्वपूर्ण हवाई सुरक्षा स्थानों पर लगाई गई हैं। मादुरो की यह बात अमेरिका के बढ़ते सैन्य दबाव के बीच आई है, जहां अमेरिका कैरिबियन क्षेत्र में अपने सैन्य बल बढ़ा रहा है। दोनों देशों के बीच ये तनाव तब बढ़ा जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई पर विचार करने की बात कही है, ताकि मादुरो सरकार को कमजोर किया जा सके। इसपर मादुरो ने पलटवार करते हुए कहा कि ये मिसाइलें, जिन्हें 'इग्ला-एस' कहा जाता है, छोटे हवाई लक्ष्यों जैसे ड्रोन, हेलिकॉप्टर और विमान को गिराने में सक्षम हैं। ये मिसाइलें इतनी हल्की हैं कि एक सैनिक भी इन्हें अपने साथ ले जा सकता है। अमेरिका ने कैरिबियन में तैनात की सेना बता दें कि अमेरिका ने कैरिबियन में 4,500 मरीन और नाविक तैनात किए हैं और कई बार ड्रग तस्करी के आरोप में नौकाओं पर

हमले भी किए हैं। इतना ही नहीं ट्रंप प्रशासन ने मादुरो को ड्रग तस्करों से जोड़ते हुए सैन्य कार्रवाई की तैयारी की है, लेकिन अब तक वे सीधे मादुरो को निशाना बनाने का फैसला नहीं किया है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो ट्रंप का मकसद मादुरो को बिना लड़ाई छोड़ा देने के लिए दबाव बनाना है। मादुरो ने भी ट्रंप को जवाब देने की तैयारी की अमेरिका के बढ़ते कदम को देखते हुए मादुरो ने जवाब में सैनिकों को फिर से तैनात किया है और लाखों स्वयंसेवक मिलिशिया को जुटाया है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला के लोग एकजुट हैं और वे अमेरिका की किसी भी साजिश को नाकाम करेंगे। मादुरो ने दावा किया है कि उनकी मिलिशिया में 80 लाख से ज्यादा सदस्य हैं, हालांकि विशेषज्ञ इस संख्या और उनके प्रशिक्षण पर सवाल उठा रहे हैं। इग्ला-एस मिसाइलें की छमता गौरतलब है कि रूसी कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के मुताबिक, ये इग्ला-एस मिसाइलें छह किलोमीटर तक की दूरी और 3.5 किलोमीटर तक की ऊंचाई पर लक्ष्यों को मार सकती हैं। हालांकि मादुरो के बताए गए मिसाइलों की संख्या की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन ये मिसाइलें वेनेजुएला के हथियारों में जरूर शामिल हैं।

डीजीसीए ने निजी एयरोमेडिकल केंद्रों को सूचीबद्ध किया, पायलटों की मेडिकल जांच में होगी आसानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संगठन ने कहा कि यह कदम सैन्य और नागरिक चिकित्सा मूल्यांकन ढांचों को अलग करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो भारत को वैश्विक विमानन प्रथाओं के अनुरूप बनाएगा। विमानन नियामक संस्था डीजीसीए ने पायलटों की मेडिकल जांच के लिए निजी एयरोमेडिकल मूल्यांकन केंद्रों को भी सूचीबद्ध करने का फैसला किया है।

डीजीसीए के इस कदम पर एयरलाइंस पायलटों के संगठन एएलपीए इंडिया ने खुशी जाहिर की है और एक बयान में कहा है कि इससे भारतीय वायु सेना के केंद्रों पर होने वाली पायलटों की रूटीन जांच का अंत होगा। पायलटों की एसोसिएशन ने जताई खुशी पायलटों के समूह एएलपीए इंडिया ने कहा है कि इस कदम से पायलटों की मेडिकल जांच सुचारू होगी, साथ ही उच्च दक्षता सुनिश्चित होगी और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का भी बेहतर तरीके से पालन हो सकेगा। एएलपीए इंडिया द्वारा लंबे समय से निजी एयरोमेडिकल मूल्यांकन केंद्रों की मांग की जा रही थी। संगठन ने कहा कि यह कदम सैन्य और नागरिक चिकित्सा मूल्यांकन ढांचों को अलग करने मेंएक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो भारत को वैश्विक विमानन प्रथाओं के अनुरूप बनाएगा। एसोसिएशन ने वायु सेना के चिकित्सा मूल्यांकन केंद्रों पर रसद संबंधी असुविधा, गुणवत्तापूर्ण जांच की कमी और अपारदर्शी प्रक्रिओं को लेकर चिंता जताई थी। पायलटों के एसोसिएशन ने बताया कि पहले हर पांचवें मेडिकल परीक्षण को भारतीय वायुसेना केंद्रों पर करवाने की अनिवार्यता के कारण अक्सर उन पायलटों को अनुचित रूप से उड़ान भरने से रोक दिया जाता था जबकि वे उड़ान भरने के लिए फिट होते थे। एएलपीए इंडिया, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एयर लाइन पायलट्स एसोसिएशन (आईएफएएलपीए) में भारतीय पायलटों का प्रतिनिधित्व करता है। क्या होते हैं एयरोमेडिकल केंद्र एयरोमेडिकल मूल्यांकन केंद्र (अएटउ) ऐसे केंद्र होते हैं जो विमानन से जुड़े लोगों, जैसे कि पायलटों, हवाई यातायात नियंत्रकों और केबिन क्रू की सेहत की जांच और मूल्यांकन करते हैं। इस जांच से सुनिश्चित किया जाता है कि पायलट और अन्य कर्मचारी अपनी ड्यूटी करने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से फिट हैं।

अमेरिकी सेना में सिखों के लिए दाढ़ी की नीति पर पुनर्विचार की अपील, सांसद ने युद्ध मंत्री को लिखा पत्र

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सांसद ने कहा कि 'सुओजी ने सैन्य पेशेवरता और अनुशासन के महत्व को स्वीकार किया, लेकिन इस बात पर भी जोर दिया कि धर्म-आधारित या चिकित्सा संबंधी सुविधाओं की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।' एक अमेरिकी सांसद ने युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ को पत्र लिखा है, जिसमें अमेरिकी सेना के सैनिकों के लिए जारी की गई दाढ़ी संबंधी नीति पर पुनर्विचार की अपील की गई है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदायें **(सिंगल पैकेट सिस्टम)** आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं. : 106-Sig-Tender-35-2025-26	
कार्य का नाम: "प्रोविज़न ऑफ यू. एफ. एस. बी. आई. इन प्लेस ऑफ एस. जी. ई. ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट इन एल. के. ओ.-जेड. बी. डी.-एम. जी. एस. सेक्शन ऑफ लखनऊ डिवीज़न ऑफ नॉर्थर्न रेलवेज।"	
अनुमानित लागत : रु. 1,77,88,163.51	
निविदा प्रपत्र की कीमत : निल	
धरोहर राशि : रु. 2,39,000.00	
कार्य पूरा करने की अवधि : 300 दिन	
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय : 14.11.2025, 15:30 बजे तक	
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है : वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ	

ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

सं.: 106-सिग-टेन्डर-35/2025-26 दिनांक: 22.10.2025 **3286/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ0रे0-मण्डल-वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20413-SLR-F1-BSB-INDB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	22.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	07.11.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	07.11.2025 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14224-SLR-F2-BSB-RGD-23-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	22.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	07.11.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	07.11.2025 समय 11:40 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14235-SLR-F2-BSB-BE-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	22.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	07.11.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	07.11.2025 समय 11:50 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14235-SLR-F1-BSB-BE-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	22.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	07.11.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	07.11.2025 समय 12:00 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14235-SLR-R1-BSB-BE-24-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	22.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	07.11.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	07.11.2025 समय 12:10 बजे
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3284/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भारतीय मूल के सुनील अमृत ने जीता ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार, 'द बर्निंग अर्थ' के लिए मिला अवार्ड

लंदन (एजेंसी)। पुरस्कार की घोषणा करने वाले निर्णायक मंडल की अध्यक्ष, ब्रिटेन की इतिहासकार प्रोफेसर रेबेका अर्ल ने की, जिन्होंने सुनील अमृत की किताब द बर्निंग अर्थ को मानव इतिहास और पर्यावरणीय परिवर्तन के बीच के अंतसंबंधों का एक शानदार विवरण बताया। भारतीय मूल के इतिहासकार सुनील अमृत को उनकी किताब 'द बर्निंग अर्थः एन एनवायर्नमेंटल हिस्ट्री ऑफ द लास्ट 500 इयर्स' के लिए ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार का विजेता घोषित किया गया है। इस पुरस्कार के तहत विजेता को 25,000 पाउंड की रकम मिलती है, जो दुनिया की सर्वश्रेष्ठ गैर-काल्पनिक कृतियों को दिया जाता है। बुधवार शाम को दिया गया सम्मान अमेरिका के येल विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर

सुनील अमृत का जन्म केन्या में हुआ। वे सिंगापुर में पले-बढ़े और उन्होंने इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि ली। 46 वर्षीय अमृत की किताब को ब्रिटिश अकादमी पुस्तक अवार्ड के निर्णायकों ने जलवायु संकट के मामले में महत्वपूर्ण पठन सामग्री बताया। बुधवार शाम लंदन स्थित ब्रिटिश अकादमी में आयोजित एक समारोह में सुनील अमृत को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। अमेरिका से लाइव वीडियो लिंक के से कार्यक्रम से जुड़े अमृत ने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं है कि यह मानवीय और पर्यावरणीय, दोनों तरह के नुकसान और पीड़ा के बारे में बहुत विस्तार से बताती है। साथ ही ये दर्शाती है कि ये दोनों लगभग हमेशा आपस में जुड़े रहे हैं। लेकिन अंत में, मैं इस पुस्तक से जो पढ़ना चाहूंगा, वह यह है कि इसके कई हिस्से हमें इस मुकाम तक ले आए हैं। इसलिए कई ऐसे रास्ते भी थे जिन्हें अपनाया नहीं गया, ऐसे विचार जिन्हें भुला दिया गया, ऐसे आंदोलन जो भले ही विफल रहे हों, लेकिन उन्होंने एक स्थायी विरासत छोड़ी है, ऐसी प्रौद्योगिकियाँ जो अधिक विनम्र और टिकाऊ थीं।' सुनील अमृत की तारीफ में क्या बोलीं अध्यक्ष पुरस्कार की घोषणा करने वाले निर्णायक मंडल की अध्यक्ष, ब्रिटेन की इतिहासकार प्रोफेसर रेबेका अर्ल ने की, जिन्होंने सुनील अमृत की किताब द बर्निंग अर्थ को मानव इतिहास और पर्यावरणीय परिवर्तन के बीच के अंतसंबंधों का एक शानदार विवरण बताया। ब्रिटिश अकादमी, जो ब्रिटेन की मानविकी और सामाजिक विज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी है, का कहना है कि अमृत का वैश्विक पर्यावरणीय इतिहास पर अभूतपूर्व काम दशकों के और आंखें खोल देने वाले शोध पर आधारित है, जो यह बताता है कि कैसे उपनिवेशीकरण, औद्योगीकरण और मानव बस्तियों के बदलते स्वरूपों ने न केवल आधुनिक दुनिया को आकार दिया है, बल्कि उस जलवायु संकट को भी बढ़ावा दिया है जिसका हम आज सामना कर रहे हैं। ये पांच किताबें पुरस्कार से चूकीं अन्य पांच चयनित किताबों में, जिनमें से प्रत्येक को 1,000 पाउंड का पुरस्कार मिला, उनमें विलियम डेलरिम्पल की 'द गोल्डन रोडः हाउ एंशिएंट इंडिया ट्रांसफॉर्म्ड द वर्ल्ड'; लूसी ऐश की 'द बैटन एंड द क्रॉसः रशियाज चर्च फ्रॉम पैगन्स टू पुतिन'; ब्रॉनवेन एवरिल की 'अफ्रीकोनॉमिक्सः ए हिस्ट्री ऑफ वेस्टर्न इग्नोरेंस'; सोफी हरमन की 'सिक ऑफ इटः द ग्लोबल फाइट फॉर विमेन्स हेल्थ' शामिल हैं; और ग्रीम लॉसन द्वारा लिखित 'साउंड ट्रैक्सः ए म्यूजिकल डिटेक्टिव स्टोरी' शामिल हैं।

अमेरिका के तेल कंपनियों पर प्रतिबंध के बाद ईयू ने भी दिया पुतिन को झटका

छद्म तेल बेड़े पर लगाया बैन

ब्रुसेल्स (एजेंसी)। रूस के छाया बेड़े में पुराने जहाज शामिल हैं, जिनमें से ज्यादातर तेल टैंकर हैं। इनका इस्तेमाल रूस की सरकार पश्चिमी प्रतिबंधों से बचते हुए गुप्त तरीके से दुनिया भर में तेल निर्यात करने के लिए करती है। रूस पर यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए दबाव बढ़ता ही जा रहा है। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन द्वारा रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने के एक दिन बाद यूरोपीय संघ ने भी रूस के छद्म तेल बेड़े पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही यूरोपीय संघ ने रूस से होने वाले एलएनजी आयात पर भी नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। गुरुवार को डेनमार्क के यूरोपीय संघ के अध्यक्ष और विदेश मंत्री लार्स लोके

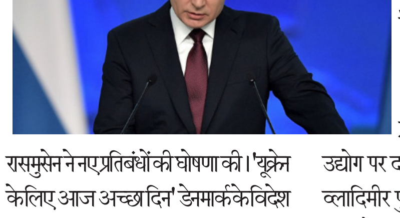

रासमुसेन ने नए प्रतिबंधों की घोषणा की। 'यूक्रेन के लिए आज अच्छा दिन' डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान रूस पर लगे प्रतिबंधों का एलान करते हुए कहा कि, 'आज यूरोप और यूक्रेन के लिए एक अच्छा दिन है।' 27 देशों वाले यूरोपीय संघ के भीतर रूसी राजनयिकों की आवाजाही को सीमित करने पर भी सम्मेलन में सहमति बनी। नए प्रतिबंधों का उद्देश्य रूस के तेल उद्योग पर दबाव बनाना और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बातचीत की मेज पर लाना है। अमेरिका का मानना है कि रूस के तेल उद्योग ही यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को वित्तपोषण दे रहा है। यही वजह है कि अब अमेरिका और पश्चिम के देश रूस की इसी ताकत पर प्रहार कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते अमेरिका और पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह के आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन प्रतिबंधों के चलते रूस के लिए अंतरराष्ट्रीय शिपिंग नियमों के तहत अपना कच्चा तेल बेचना मुश्किल हो गया है। युद्ध के लिए धन जुटाने के लिए रूस का कच्चे तेल की बिक्री करना बेहद जरूरी है। ऐसे में नियमों का पालन किए बिना तेल बेचते रहने और पैसा कमाते रहने के लिए, रूस ने इस छाया बेड़े का निर्माण किया।

रूस के छाया बेड़े में पुराने जहाज शामिल हैं, जिनमें से ज्यादातर तेल टैंकर हैं। इनका इस्तेमाल रूस की सरकार पश्चिमी प्रतिबंधों से बचते हुए गुप्त तरीके से दुनिया भर में तेल निर्यात करने के लिए करती है। ये जहाज अपनी गतिविधियों को छिपाते हैं, बार-बार झंडे बदलते हैं, और फर्जी नामों या मालिकों के नाम से काम करते हैं। इन्हें ही छाया बेड़ा कहा जाता है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली निविदा" आमंत्रित करते हैं:-

क्रम सं.-1, कार्य का नाम: समइं/लाइन/वाराणसी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न स्टेशनों पर विभिन्न रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिये सुविधाओं की व्यवस्था (शौचालय, टिकट बूथ, टैकटाइल गाइड एवं मार्ग)। ई-निविदा सूचना सं.: एनईआर-बीएसबी-2025-105, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 69,89,517/-, अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (रू०में): ₹ 1,39,800/-, निविदा बन्द होने की तिथि: 18-11-2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह।

क्रम सं.-2, कार्य का नाम: समइं/पूर्व/मऊ कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न स्टेशनों पर विभिन्न रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिये सुविधाओं की व्यवस्था (शौचालय, टिकट बूथ, टैकटाइल गाइड एवं मार्ग)। ई-निविदा सूचना सं.: एनईआर-बीएसबी-2025-106, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 54,82,799/-, अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (रू०में): ₹ 1,09,700/-, निविदा बन्द होने की तिथि: 18-11-2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह।

क्रम सं.-3, कार्य का नाम: वाराणसी सिटी:- सिगनल विभाग के लिये स्टोर भवन (भूतल) का निर्माण। ई-निविदा सूचना सं.: एनईआर-बीएसबी-2025-107, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 3,25,35,691/-, अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (रू०में): ₹ 3,12,700/-, निविदा बन्द होने की तिथि: 18-11-2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह।

• निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2025-105 से एनईआर-बीएसबी-2025-107 दिनांक 18-11-2025 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.), वाराणसी

मुजाधि/डब्लू-305

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।